विश्व वाणी समर्पण

Vol. 17 - Issue 8 - August 2024 - Rs. 10/-

सुसमाचार को जानने वाले न कभी शर्मिंदा होंगे और न ही लज्जित होंगे।

August 2024
विश्ववाणी समर्पण

उत्तर भारत कार्यालयः
एफ–11, प्रथम मंजिल, विश्वकर्मा कॉलोनी
एम.बी रोड, नई दिल्ली – 110044
फोनः 0129–4838657
ई–मेलः vvnorthindia@vishwavani.org

प्रकाशन कार्यालयः
1.10.28/247, आनंदपुरम, कुशाईगुड़ा
ई.सी.आई.एल पी.ओ., हैदराबाद – 500062
फोनः 040–27125557,
ई–मेलः samarpan@vishwavani.org

विषय सूची

02 मनन के विषय
03 कार्यकारी निर्देशक...
07 सुसमाचार का कार्य...
10 विशेष आकर्षण
16 नेटवर्क चेयरमैन...
20 लेखा–जोखा
21 प्रेयर नेटवर्क निर्देशक...
28 कार्यक्षेत्र के समाचार

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, गुजराती, उड़िया, बंगला, कोक बोरोक व सौरा भाषा में प्रकाशित होती है। वार्षिक शुल्क 100 रू. है।

मनन के विषय

- वे कौन थे जो यीशु के प्रकट होने पर लज्जित नहीं हुए
  वे सभी जिन्होंने जीवित रहते हुए उसका सम्मान किया!
- वे तब तक जोश में थे जब–तक यीशु ने अपनी उंगलियों से नहीं लिखा जिसके बाद वे लज्जित हुए!
- पाप तो पीछा करता है
  किन्तु जब हम छिपते हैं
  तो पवित्र प्रभु की आँखें हमारा पीछा करेंगी!
- जब तक पतरस ऊपरी कमरे में नहीं चढ़ा तब–तक वह लज्जा और भय से भरा था,
  चढ़ने के बाद वह जेल में भी चंगा हो गया!
- जब उन्होंने युसूफ को गड्ढे में डाला, वे शर्मिंदा नहीं थे,
  लेकिन बाद में उसका सामना करने के समय वे समर्पित थे!
- जब तक हम यीशु को नहीं चख लेते सुसमाचार का काम अच्छा नहीं लगेगा!

उन सेवा सहयोगियों के लिए जिन्हें प्रभु की प्रतीक्षा करते हुए कभी लज्जित नहीं होना पड़ेगा...

कार्यकारी निर्देशक की ओर से पत्र...

प्रभु यीशु के कभी न बदलने वाले उस नाम मे आपको हमारा प्यार भरा मसीही अभिवादन, जिसने अपने लोगों को कभी लज्जित न करने का वादा किया है।

आप में से कई लोग समर्पण पत्रिका को ध्यान से पढ़ रहे हैं और हमारी इस सेवकाई के लिए विश्वासयोग्यता से प्रार्थना कर कर रहे हैं। आप सुसमाचार के काम के लिए भी उदारता से दान दे रहे हैं। हम आप सभी का तहे ह्रदय से शुक्रिया अदा करते हैं। आपको सहयोग के परिणामस्वरूप विश्ववाणी सेवा के लिए पूर्ण रूप से आत्माओं की भरपूर कटनी हुई है। यह भारत के राष्ट्र में परमेश्वर के शक्तिशाली नाम को और भी गौरवशाली ढंग से फैलाने में भी हमें सक्षम बना रहा है। इसलिए आप वर्तमान और भविष्य में भी मनुष्यों के सामने लज्जित नहीं होंगे क्योंकि आप परमेश्वर का सम्मान करते हैं, यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा है (यशा.54:4, भजन सं.34:5)।

प्रार्थना जीवन – विजयी जीवन

"प्रार्थना जीवन" एक मसीही के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यीशु स्वंय ही हमारे लिए प्रार्थना जीवन के उदाहरण के रूप में खड़ा हैं। उसने लगातार प्रार्थना की और उन सभी लोगों को भी सिखाया जो प्रार्थना में दृढ़ रहना चाहते थे। यह प्रार्थनामय जीवन हमें पापी जीवन से अलग करेगा और हमें परमेश्वर की सिद्ध इच्छा को समझने में सहायता करेगा। यह जीवन के मुख्य निर्णयों को लेने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा और हमें प्रतिदिन की चुनौतियों पर विजय पाने में मदद करेगा। यह हमें तब भी शांति देगा जब हम निराश और बीमार हों। यह हमें दूसरों के बेहतर जीवन के लिए "मध्यस्थता" करने का जीवन भी देता है। यह प्रार्थनामय जीवन हमें दूसरों के साम्हने लज्जित नहीं करेगा, यही सच्चाई है।

प्रति वर्ष, जुलाई का महीना विश्ववाणी सेवकाई में "प्रार्थना का माह" के रूप में मनाया जाता है, जहाँ लोग एक विशेष समय पर विशेष रूप से प्रार्थना करते हैं। पूरे भारत में विभिन्न राज्यों से हर दिन लाखों विश्वासी सुबह 4 बजे से अलग–अलग तरीकों से इकट्ठा होते हैं और प्रार्थना करते हैं। वे देश की भलाई, सुसमाचार की घोषणा और विश्ववाणी सेवाओं के दर्शन तक पहुँचने के लिए निरंतर खड़े होते हैं। आप भी हमसे संपर्क करके विशेष प्रार्थना विषय प्राप्त कर सकते हैं और राष्ट्र की समृद्धि के लिए हमारे साथ मिलकर प्रार्थना करना जारी रख सकते हैं! जो लोग प्रार्थना करना जानते थे, वे लज्जित नहीं थे और न ही होंगे।

प्रभु खोये हुओं को बचाने के लिए मार्गदर्शन करता है:

नबी योएल की पुस्तक गरीबी, अभिशाप और सूखे के बारे में बात करती है। हम यहाँ पढ़ते हैं कि परमेश्वर के बच्चों को अविश्वासियों के बीच शर्मिंदा होना पड़ा क्योंकि वे परमेश्वर के वचन के प्रति अनाज्ञाकारी हो गए थे और अपने पापों में बने रहे। जब हम उपवास करते हैं, प्रार्थना करते हैं और अपने पापों से पश्चाताप् करते हैं, तो परमेश्वर ने हमारे राष्ट्र को समृद्ध करने की प्रतिज्ञा करता है (योएल 2:15–17, 21–27)।

इसी प्रकार, हम आमोस नबी की पुस्तक के दूसरे अध्याय में पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने अपने

लोगों का न्याय किया है क्योंकि उन्होंने उसके वचन को त्याग दिया है और व्यभिचार, वेश्यावृत्ति, मूर्ति पूजा और अधर्मी होकर बुरे कार्यों को करने वाले बन गए। इसके अतिरिक्त अध्याय 4 पद 6 से 11 में वह उन्हें पाँच बार फटकारते हुए कहता है "तौभी तुम मेरी ओर फिरकर न आएं, वह 4:12 में निष्कर्ष निकालता है,"इस कारण, हे इस्राएल मैं तुझसे ऐसा ही करूंगा, और इसलिए कि मैं तुझमें यह काम करने पर हूँ, हे इस्राएल, अपने परमेश्वर के साम्हने आने के लिए तैयार हो जा"।

इसलिए प्रियों, "अभी वह प्रसन्नता का समय है, देखो वह उद्धार का दिन है" (2कुरि.6:2)। परमेश्वर सभी लोगों को हर जगह पश्चाताप् करने की आज्ञा देता है (प्रेरितों के काम 17:30)। आज, यीशु के लहू में शुद्ध हो जा अगर आप चाहते है कि जब प्रभु राजा के रूप में लौटें तो आप उसकी उपस्थिति में बिना लज्जा के खड़े हो सकें! आपको लज्जित नहीं होना पड़ेगा। आप लोगों के साम्हने अपना सिर ऊँचा करेंगे! आपके बंधन टूट जाएँगे, आपका जीवन खिल उठेगा, और आप जो खो चुके हो उसे वापस पाएंगे (यशा.62:8, आमोस 9:14,15, योएल 2:18–19) हाल्लेल्लूय्याह!

लज्जा के बदले दूगुणी आशीषें:

परमेश्वर अपनी उन प्रतिज्ञाओं को जिन्हें उसने उन सभी विश्वासियों के साथ किया है बांटता है जो सुसमाचार जानते हैं और जो इसे दूसरो को प्रचार करने के लिए तैयार हैं, वह यशायाह 61:1–7 से है। पद 9 से 11 कहता है कि देश में बहुत आन्नद होगी, दूगुणी भाग मिलेगा और हमारा मन आन्नदित होगा। हमारे वंशजों को आशीष मिलेगी, और हमारा परिवार धार्मिकता से ओतप्रोत होगा और भूमि अपनी पूरी उपज देगी। सेनाओं का प्रभु कहता है कि वे सभी जो प्रार्थना करते हैं, देते हैं और सेवकाई के लिए काम करते हैं, उन्हें लज्जित नहीं किया गया और उन्हें कभी लज्जित नहीं किया जाएगा। आज हमसे अपेक्षा की जाती है कि हम प्रभु की दयालुता और उसके कार्यों के बारे में बताएं जिनके लिए परमेश्वर की प्रंशसा की जानी चाहिए, जितना उपकार यहोवा ने हम लोगों का किया अर्थात इस्राएल के घराने पर दया और अत्यन्त करूणा करके उसने हमसे जितनी भलाई की उस सब के अनुसार मैं यहोवा के करूणामय कामों का वर्णन और उसका गुणानुवाद करूंगा (यशा.63:7)। हाँ, प्रभु निश्चित रूप से आपका सम्मान करेगा!

सुसमाचार कार्य में मनुष्य के हाथ जितना छोटा बादल

एलिशा भविष्यद्वक्ता के समय में, एक आदमी के हाथ जितना छोटा बादल भारी बारिश लेकर आया था। इसी तरह, हम विश्ववाणी सेवाओं के माध्यम से एक "महान कटनी" पाने के लिए प्रार्थना के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जिसकी शुरूआत बहुत कम थी। हम यह कहकर संतुष्ठ नहीं हैं कि हमने बहुत कुछ किया है, बल्कि एक भरपूर फसल पर ध्यान केंन्द्रित कर रहे हैं। हम केवल प्रभु के नाम की महिमा करने के लिए दर्शन और लक्ष्य तक पहुँचने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। वर्त्तमान में हम 4737 क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की मदद से सुसमाचार प्रचार कर रहे हैं, जिसमें 2145 विवाहित पुरूष अपने परिवारों के साथ और 447 अविवाहित लोग 337 विभिन्न जन–जातियों के मध्य जो 29 राज्यों/केंन्द्र शासित प्रदेशों के 222 जिलों में फैले 10,500 दुगर्म क्षेत्रों में रहते हैं। 7917 स्थानों पर आयोजित बाइबल अध्ययन समूहों, 3310 क्षेत्रों में आयोजित रविवारीय आराधना समूहों और 11,905 नये विश्वासियों के लिए प्रभु की स्तुति हो जो अपने विश्वास को स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं। कृप्या 137 सुसमाचार क्षेत्रों में

आराधना भवन के निर्माण के लिए प्रार्थना करें। इस वर्ष हमें 7000 नये गाँवों में सुसमाचार बांटने के लिए 1400 नये क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है। कृप्या आप भी प्रार्थना में हमारा साथ दें।

पूर्व और पूर्वोत्तर सेवकाईयां:

स्थानीय कार्यकर्ता भारत के पूर्वी और पूर्वोत्तर भाग के 2894 गाँवों में सुसमाचार बाँट रहे हैं। हमारी योजना ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, त्रिपुरा और मणिपुर के 22,000 गाँवों में सुसमाचार बाँटने की है। हम मेघालय, मिजोरम और नागालैंड की कलीसियाओं के साथ मिलकर इन राज्यों में भी सुसमाचार बाँटने का प्रयास कर रहे हैं।

मुझे 10 जून से 18 जून तक मिजोरम, मणिपुर और पश्चिम बंगाल की यात्रा करने और क्षेत्रीय कलीसियाओं के अगुवों से मिलने और आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का अवसर मिला। हम यह भी देख पाए कि इन राज्यों की कलीसियाएं "सुसमाचार के विस्तार" के लिए बड़ी राशि खर्च कर रहे हैं और हम भी सुसमाचार वंचित गाँवों में "क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं" को भेजने का प्रयास भी कर रहे हैं। विश्ववाणी सेवकाई भी कलीसिया के विस्तार में अपनी भूमिका निभाएगी।

दक्षिण, मध्य और पश्चिम भारत की सेवकाई:

इस प्रांत में आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के 3350 गाँव शामिल हैं। हमारा लक्ष्य 26,000 गाँवों तक पहुँचना है। वर्त्तमान में 693 आराधना समूहों का निर्माण किया गया है, जिसमें 45,766 प्रथम पीढ़ी के विश्वासी हैं, जिन्होंने अपने विश्वास को स्वीकार किया है और इन आराधना समूहों में प्रभु की स्तुति करते हैं। विश्वासी हर सप्ताह आयोजित होने वाले 2142 बाइबल अध्ययन समूहों के माध्यम से सुचारू रूप से परमेश्वर के जीवित वचन को सीख रहे हैं और आत्मिक रूप से उन्नत हो रहे हैं। मुझे आन्ध्र प्रदेश के श्रीकाकूलम जिले के सुसमाचार क्षेत्रों को भ्रमण करने, पुल्लमानुगुडा और पोद्दिसा के सुसमाचार क्षेत्रों में आराधना भवन की समर्पण सेवाओं में भाग लेने और 22 और 23 जून को अब्राहम नगर में आयोजित रात्रि सभा में भाग लेने का अवसर मिला। हम आराधना भवन के निर्माण के लिए श्री एस. जयपॉल और उनके परिवार और कोविलपट्टी नहेम्याह प्रार्थना समूह को इसके लिए हृदय से धन्यवाद देते हैं। कृप्या अपनी प्रार्थनाओं में विश्ववाणी सेवकाई को उठाये रखें।

दर्शन के बढ़ोत्तरी में दक्षिण भारत की भूमिका:

हमें खुशी है कि विश्ववाणी सेवकाई के विकास कार्य का 66 प्रतिशत तमिलनाडु और केरल की कलीसियाओं और उनके विश्वासियों द्वारा किया जाता है। मैं सभी कलीसिया के अगुवों, विश्वासियों, सेवा सहयोगियों, स्वैच्छिक प्रतिनिधियों, प्रार्थना समूह के अगुवों, सुसमाचार प्रचार कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अगुवों और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद भी देता हूँ। प्रभु उन्हें बहुतायत से आशीष प्रदान करें।

दक्षिण भारत में सैकड़ों साल पहले बोया गया परमेश्वर का वचन अब अपने फलों को दे रहा है। हमें और अधिक प्राप्त हुआ है और हम पूर्ण रूप से धन्य हैं। हम इस प्रतिबद्धता के साथ काम करते हैं कि हम पूरे विश्व में आशीष का माध्यम बनेंगे। हम आपका हार्दिक धन्यवाद करते हैं और अभिवादन करते हैं क्योंकि आप पीढ़ियों तक प्रभु के लिए प्रार्थना और काम करते हैं

हम विनम्रतापूर्वक आपको बताना चाहते हैं कि हमें आपकी निरंतर प्रार्थना और वित्तिय सहायता और लक्ष्य तक पहुँचने के लिए तेजी से काम करने की इच्छा रखने वाले लोगों की भी आवश्यकता है। कष्प्या विश्ववाणी बचत बॉक्सों के माध्यम से हमारा सहयोग करें और हर महीने 4000/– रूपये भेजकर किसी एक सुसमाचार वंचित गाँव में सुसमाचार बाँटने में हमारी सहायता करें। आप हमें विशेष भेंट भी भेज सकते हैं। आप हमारी सेवकाई को अन्य विश्वासियों से भी परिचय/परिचित कराने के द्वारा, सहयोग कर सकते हैं।

बोर्ड और वार्षिक सभा बैठकः

विश्ववाणी की वार्षिक प्रशासनिक और आम सभा की बैठकें 12.07.2024 को हैदराबाद मुख्यालय में आयोजित की गई। पिछले वित्तिय वर्ष की वार्षिक सेवकाई रिर्पोट परमेश्वर की महिमा के लिए प्रस्तुत की गई। आय और व्यय का ऑडिट किया गया और उसे स्वीकृति भी दी गई। सदस्यों द्वारा सेवकाई की योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए उचित सलाह–मशवरा दी गई। समिति के सदस्यों ने प्रार्थना और विभिन्न सेवा सम्बधित मूंल्याकन में भी समय व्यतीत किया। इस वर्त्तमान वित्तिय वर्ष के लिए 110 करोड़ रूपये बजट के साथ सेवकाई की योजनाएँ बनाई गई। मैं बोर्ड और ए.जी.एम के सभी सदस्यों विश्ववाणी नेटवर्क के अध्यक्ष पी.सेल्वाराज अन्नन, मुख्यालय और प्रशासनिक कार्यालय के सभी कार्यकर्ताओंगण और 9 विभागों के मुख्य अधिकारियों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

स्वतंत्रता, समृद्धि और स्वास्थ्यः

हम 15.08.2024 को भारतीय स्वतंत्रता के 77 वर्षों को कृतज्ञता और खुशी के साथ याद करते हैं। हम उन राष्ट्रीय अगुवों को स्मरण करते हैं जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए काम किया है। आइए, हम एक साथ मिलकर सभी भाषाओं, संस्कृति और अलग अलग समूहों में समृद्धि और एकता को बनाए रखने के लिए कार्य करें। हम सभी भारतीय झण्डा को ऊँचा फहराने के लिए प्रयास करें! आइए, हम अपनी प्रार्थनाओं द्वारा अपने राष्ट्र के सभी अगुवों का सहयोग करें।

तुम्हारी नामधराई के बदले तुम्हें दूना भाग मिलेगा, और अनादर के बदले तुम अपने भाग के प्रति जय–जयकार करोगे! तुम अपने देश में दूने भाग के अधिकारी होगें, और सदा आन्नदित बने रहोगे (यशा.61:7)।

चैन्नई – 53
15.07.2024

उसकी दाख की बारी में
रेव्ह.डॉ.डब्ल्यू विल्सन ग्नानाकुमार

सुसमाचार का कार्य जो सामर्थ प्रदान करता है

प्रियों,

प्रेमी प्रभु यीशु मसीह के नाम में आपको सादर नमस्कार। इस नये अंक **"सुसमाचार को जानने वाले न कभी शर्मिंदा होंगे और न ही लज्जित होंगे"** के साथ आप तक पहुँच रहे हैं। आशा है कि प्रतिमाह पत्रिका आप तक पहुँच रही है तथा इसके द्वारा आप आशीषित होकर सेवा के साथ व सेवा में नियमित बढ़ते जा रहे होंगे।

सुसमाचार को जानने वालों के लिये यहाँ पर बहुत ही गहरे भेद हैं जैसे कि वे न कभी लज्जित होंगे व न शर्मिंदा होंगे अर्थात् प्रभु यीशु को व्यक्तिगत रूप से जानने वाले किस प्रकार से अलग तरह के लोग हो गये? उनमें से भय, डर, लज्जा, शर्मिंदगी इत्यादि बातें दूर रहती हैं। जीहाँ प्रियों यह कैसे सम्भव होता है? क्या हम इस अनुभव में जी रहे हैं? क्या कभी इस पर विचार किया? देखिये हमारे प्रभु यीशु ने क्या कहा? जबकि नीकुदेमस रात के समय उनसे मिलने आया था "क्योंकि जो शरीर का जन्मा है, वह शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है, वह आत्मा है"। (यूहन्ना 3:6)

प्रियों हमें आत्मा के द्वारा नये जन्म के विषय में निश्चय होना चाहिये। हो सकता है कि आपको वचन का काफी ज्ञान हो। बाइबल को जानना बहुत ही अच्छी बात है किन्तु वचन को अर्थात् मसीह को हृदय में ग्रहण करना यह आत्मा के द्वारा एक नया अनुभव है। जब एक पापी मन फिराकर प्रभु को ग्रहण करता है तो आत्मा के द्वारा वह मानव के मन मन्दिर में वास करते हैं "पवित्रशास्त्र कहता है जब आत्मा तुम में बसता है, तो तुम शीरीरिक दशा में नहीं, परन्तु आत्मिक दशा में हो" (रोमियो 8:9)। शरीर के काम दूर होते रहते हैं तथा आत्मा के फल जीवन में बढ़ते रहते हैं। प्रभु का वचन फिर आगे कहता है कि "उसने हम पर छाप कर दी है और बयाने में आत्मा को हमारे मनों में डाल दिया है" (2 कुरि. 1:22) यह विश्वास के द्वारा सम्भव है कि मसीह तुम्हारे हृदय में बसे (इफिसियों 3:16)

तो यह स्पष्ट है कि जब तक शरीर में जीते हैं तो लज्जा, शरम, डर, भय, अशान्ति इत्यादि–इत्यादि बातें जीवन में राज करती हैं तथा इस संसार में मनुष्य को निर्बल व दुर्बल करती हैं। किन्तु प्रियों जैसे कि वचन कहता है कि जो कोई मसीह यीशु में है वह नयी सृष्टि है, पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गई (2 कुरिन्थियों 5:17)। नयी सृष्टि क्या है? अब आत्मा के चलाये चलते हैं, आत्मा जो विश्वासी के जीवन में वास करती है उसकी सामर्थ के द्वारा चलाये जाते हैं, यह भौतिक सामर्थ नहीं बल्कि आन्तरिक सामर्थ है। यह सुसमाचार की सामर्थ है। जब चेले यीशु के जाने के बाद ऊपरौती कोठरी में प्रार्थना में एकत्रित थे तो पैन्तिकुस के दिन पवित्रआत्मा उण्डेला गया (प्रेरितों 2) तथा प्रभु यीशु के क्रूसीकरण से पहले पतरस जिसने तीन बार मसीह का

इन्कार किया था साथ ही अपने अन्य साथियों के साथ वापस मछली पकड़ने चला गया था। वही पतरस पवित्रआत्मा प्राप्त करने के पश्चात् खड़े होकर हजारों के सामने प्रभु यीशु की गवाही देकर प्रचार करने लगा, वह प्रथम कलीसिया का खम्बा बन गया। सुसमाचार सुनाते सुनाते और भी बलवंत होता गया अब आत्मिक बल आ गया। डर, भय, लज्जा, शर्मिंदगी जाती रही। प्रियों यदि हममें यह भूख व प्यास रहेगी तो अवश्य ही आत्मिक बल व सामर्थ प्राप्त करते चले जायेंगे। यदि आप प्रेरितों के कार्य में पढ़ेंगे, तो समझ पायेंगे कि कैसे आत्मिक सामर्थ कार्य करने लगी।

धमकियों के बावजूद भय नहीं – किन्तु हियावः स्तिफनुस के वध होन के बाद कलीसिया में उपद्रव प्रारम्भ हो गया, शाऊल कलीसिया को उजाड़ रहा था "कि यीशु के नाम से कुछ भी न बोलना और न सिखलाना (प्रेरितों 4:18) किन्तु पतरस व यूहन्ना का हियाव देखिये "क्या यह परमेश्वर के निकट भला है कि हम परमेश्वर से बढ़कर तुम्हारी बात माने (प्रेरितों 4:19) जीहाँ प्रियों जब इस आत्मिक भरपूरी से विश्वास की भूमि पर खड़े रहते हैं तो हम आत्मिक बातों को प्राथमिक्ता देंगे आइये बार बार स्वयं का इन्कार करके स्वयं को प्रभु के हाथों में सौंप दें।

उपद्रव के बावजूद रूके नहीं – किन्तु सुसमाचार का प्रसार होता रहाः स्तिफनुस के वध होने के बाद शाऊल कलीसिया का उजाड़ रहा था और घर घर जाकर पुरूषों और स्त्रियों को घसीट घसीट कर बन्दीगृह में डाल रहा था (प्रेरितों 8:1,3) किन्तु याद रखें विश्वासी डरे नहीं, और न ही उन्होंने लज्जा महसूस की बल्कि वचन कहता है "परन्तु जो तितर बितर हुये थे वे सुसमाचार सुनाते फिरे और फिलिप्पुस सामरिया नगर में जाकर मसीह का प्रचार करने लगा (प्रेरितों 8:4) आज भी कई बार ऐसी परिस्थितियां जब आती हैं, तो हमारी दृष्टि स्तिफनुस के समान अपने प्रभु पर जो पिता के दाहिने हाथ पर विराजमान है लगने पाये। आज हम कहाँ देख रहे हैं? क्या ढूंड रहे हैं? पौलुस कुलुस्सियों को लिखता है स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो जहाँ मसीह विराजमान है। यह स्वर्गीय वस्तुऐं क्या है? जीहाँ ये ही वे आत्मायें हैं जो प्रभु के लिये सुसमाचार प्रचार द्वारा जीती जाती है इसलिये अपने हाथों को ढीला न करें सुसमाचार कार्य में हम अग्रणी बनें।

मृत्यु के मुंह में निश्चिन्त – तत्पश्चात् छुटकाराः यहून्ना की मृत्यु हेरोदेस राजा द्वारा की गई तत्पश्चात् पतरस को भी बंदीगृह में रखा गया था इसका यह तात्पर्य था कि अगला नम्बर पतरस का ही था, किन्तु वह रात के समय दो रखवालों के बीच जंजीरों से बन्धा हुआ सो रहा था। प्रेरितों 12:6 के अनुसार उसी दिन होरोदेस पतरस को भी लोगों के सामने लाने वाला था, लेकिन यहाँ पर छुटकारे का कार्य देखिये हमारा परमेश्वर अद्भुत कार्य करने वाला प्रभु है, उसने पतरस को और भी उपयोग करना था। उसी रात स्वर्गदूत को भेजकर वह बंदीग्रह से छुटकारा करके पतरस को बाहर निकाल लाया। प्रभु की सामर्थ हमारे संकट में, निर्बलता में कार्य करती है। मैं कुछ प्रभु के दासों को जानता हूँ जब वे सुसमाचार के खातिर बंद हुये तो उन्होंने वहाँ से अद्भुत रीति से छुटकारा पाया। साथ ही अपने बंदी रहने के समय प्रभु ने उन्हें वहाँ उपयोग किया व अपनी महिमा की।

बन्दीगृह में शोक नहीं – किन्तु स्तुति व आराधनाः पौलुस व सीलास अर्धरात्री में प्रभु का भजन गा रहे थे व कैदी उनकी सुन रहे थे (प्रेरितों 18:25) कभी कभी जब थोड़ी सी परीक्षा सामने आती है या घटी, कमी, विरोध, बिमारी इत्यादि थोड़े में ही चेहरों की रोनक गायब हो जाती है। इसका यह मतलब है कि आत्मिक रूप से हार रहे हैं, प्रभु की इच्छा यही है कि हम उन्हें सराहते रहें, इस संसार में तो हम डेरा सरीखा घर है, किन्तु हमारा स्वदेश तो स्वर्ग में है जहाँ से अपने प्रभु के आगमन की बाट जो रहे हैं। जब वे रात को प्रभु की आराधना गाते गाते कर रहे थे, तो कैसे जेल के दरवाजे खुल गये व सबके के बन्धन भी खुल गये (प्रेरितों 16:26)। काश ऐसा विजय का जीवन व आत्मा की सामर्थ के कार्य हम अपने साथ महसूस होते देखते रहें।

हाकिमों के सामने हियाव – तथा गवाही व सेवकाई का अवसरः कभी कभी हाकिमों के सामने हम हियाव खो बैठते हैं प्रियों किन्तु प्रभु का आत्मा जानता है हमे कहाँ पर क्या बोलना है यदि हम उसके प्रभुत्व के नीचे रहेंगे, तो वह हमें अगुवाई प्रदान करेगा। प्रेरितों 26 में पढ़ते हैं कि अग्रिप्पा के सामने पौलुस कैसे हियाव पूर्वक अपनी गवाही देता है पद 12–18 के मध्य पौलुस की प्रभावशाली गवाही को सुनते हैं, साथ ही पद 19 से आगे वह राजा के सामने सुसमाचार भी सुनाने लगा, तथा सुनते सुनते राजा ने उस पर एक तंज भी कसा "अग्रिप्पा ने पौलुस से कहा तू थोड़े ही समझाने से मुझे मसीही बनाना चाहता है?" (प्रेरितों 26:28)

जीहाँ प्रभु का सुसमाचार हमें दृढ़ व मजबूत बनाता है जैसे वचन के कार्य में बढ़ते जाते हैं वैसे वैसे हम आत्मिक रूप से बनते जाते हैं शरीर घटता है आत्मा बढ़ती है। इन चन्द विचारों के द्वारा प्रभु आपको आशीषित करें तथा सुसमाचार के कार्य में उपयोग करके लगातार अपनी महिमा के लिये उपयोग करें। आमीन।

नई दिल्ली
19.07.2024

प्रभु में आपका भाई
आनन्द सिंह

हम प्रार्थना करते हैं

श्रीमती लिडिया धर्मराज (89 वर्ष) पूर्व सी.एस.आई. तिरूनेलवेल्ली के बिशप रेव्ह.एस.जेसोन धर्मराज की पत्नी और एस.कैलासपुरम डायोसिस के रेव्ह के.साइमन धर्मराज की माँ 07.07.2024 को प्रभु के पास चली गईं। अम्मा ने विश्ववाणी सेवकाई और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के प्रति बहुत प्रेम दिखाया है। हम पृथ्वी पर उनके सेवाओं और कलीसिया से संबंधित कार्यों के लिए प्रभु को धन्यवाद देते हैं। शांति का प्रभु उनके बच्चों और पोते–पोतियों को अपनी स्वर्गीय शांति प्रदान करें!

अगस्त 2009 समर्पण के लिए भाई एमिल जेबासिंह द्वारा लिखा गया विशेष आकर्षण:

जो लोग सुसमाचार जानते हैं
वे इसे घोषित करने में लज्जित नहीं होते,
इसकी घोषणा करने से
उन्हें लज्जित नहीं होना पड़ता!

प्रियों,
पहला सवाल है : क्या आप यीशु को जानते हैं?
यीशु मसीह को जानना बुद्धि से नहीं बल्कि हृदय से जुड़ा है!
पति–पत्नि के संम्बध में,
वे एक–दूसरे को बुद्धि से नहीं बल्कि हृदय से जानते हैं!
जब हृदय एक–दूसरे को जानता है
तो उनके बीच प्रेम उमड़ पड़ता है!
वे बिना सवाल किए मीलों तक चलते हैं!
"हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र"
क्या तु इनसे बढ़कर मुझसे प्रेम रखता है ?
यूहन्ना 21:15–17 हृदय से सम्बंध रखता है!
जब हमारे मन में यीशु के लिए गहरा प्रेम होगा
तो उसके लिए वह असीम प्रेम उमड़ेगा!
ऐसे प्रेम से भरे हुए लोग बिना किसी सीमा के सेवा करेंगे!
वे यीशु से बाते करेंगे और उसको लगातार स्तुति के बलिदान चढ़ाएंगें।
समय मिले या न मिले, वे यीशु का प्रचार करेंगे!
वे चाहेंगे कि हर व्यक्ति का उद्धार हो
इसका कारण यह है कि उनका हृदय प्रेम से जुड़ा हुआ है।
वे ऐसे योद्धा होगें जो मृत्युदण्ड के लिए निर्धारित लोगों को स्वतंत्र करेंगे
और जो मारे जाने वाले हैं उन्हें बचाएँगे!
प्रियों,
यीशु को प्रकट करने में लज्जित होता है? जो लोग अपने निजी जीवन में यीशु के चरणों में नहीं रहते!
यीशु की घोषणा/प्रचार करने में कौन विफल रहता है ?
जिनके विवेक में ये चुभता है कि वे पापी हैं!
जब प्रभु यीशु मसीह का लहू हमारे सभी पापों को धो देता है
और हमें पवित्र बनाता है, अतः हम यीशु के नाम की ऊँची आवाज में घोषणा करते हैं!
कौन यीशु को सम्पूर्ण हृदय से प्रेम करता है?
जिन लोगों को इस बात का पूर्ण आश्वासन है कि उनके पाप क्षमा हो गए हैं

वे शर्मिंदा नहीं होगें!
वे यीशु में प्राप्त आशीषों को नहीं भूलेंगे!
मैं ने तेरी धार्मिकता मन ही में नहीं रखा,
मैंने तेरी सच्चाई और तेरे किये हुए उद्धार की चर्चा की है,
मैंने तेरी करूणा और सत्यता बड़ी सभा
से गुप्त नहीं रखी"। भजन संहिता 40:10

- जो लोग प्रभु को ग्रहण करते हैं, वे उसे कैसे उसे अपने जीवन से जाने नहीं देते? वे अपना मुँह कैसे बंद रखते हैं?
- इस संसार में, जहाँ लोग हर बात के लिए झूठ बोलते हैं
वहीं जो लोग सत्य को जानते हैं और सत्य से प्रेम करते हैं, उन्हें यीशु को स्वीकार करने में लज्जा कैसे आ सकती है?
- जब संसार को संसारिक गीतों को गाने में लज्जा नहीं आती,
तो जो लोग अपने मूँह में नया गीत पाते हैं, उन्हें यीशु की स्तुति के गीत गाने में लज्जा कैसे आ सकती है?
- जब लोग किसी चीज या व्यक्ति के सामने झुकने में लज्जा नहीं करते,
तो जो लोग उसे जानते हैं जिसने उन्हें जीवन दिया है,
उन्हें दूसरों को यीशु के पास आमंत्रित करने में लज्जा कैसे आ सकती है?
- लोगों को मनुष्य की आवाज सुनने में लज्जा नहीं आती थी,
जो चिल्ला रहे थे कि यह मनुष्य की आवाज नहीं बल्कि परमेश्वर की आवाज है!
- लोगों को शानदार कहानियों और चलचित्रों वाली किताबें बेचने में शर्मिन्दा नहीं थे, जो ह्रदय को दागदार करती हैं!
तो विश्वासियों की ह्रदयों को बदलने वाली पवित्र बाइबल वितरित करने में लज्जा कैसे आ सकती है?
- लोग दागोन के सामने झुकने में शर्मिंदा नहीं थे
जबकि वह बार–बार सिर के बल गिर रही थी!
लोग सुसमाचार का प्रचार करने में कैसे शर्मिंदा हो सकते हैं,
उस उद्धारकर्ता का प्रचार जिसने अपना सिर क्रूस पर रख दिया ताकि सभी लोग जीवित रहें?
- क्या आप संत पौलुस के साथ खड़ें हैं जिसने कहा,
"क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता" (रोमि.1:16)
- क्या आप उन लोगों के साथ खड़े हैं जो इस दुनिया में सच्चाई का प्रचार करते हैं?
- क्या आप उन लाखों विश्वासीयों के साथ खड़े हैं जो कहते हैं,

> “मैं अपने मूँह से तेरे धर्म का और तेरे उद्धार का वर्णन दिन भर करता रहूँगा, क्योंकि उनका पूरा ब्यौरा मेरी समझ से परे हैं”। (भजन सं. 71:15)

क्या आप उन लोगों में से हैं जो बिना किसी लज्जा और भय के जरूरत के समय सुसमाचार सेवकों की सहायता करते हैं, उनेसिफुरूष की तरह जिसके बारे में पौलुस ने लिखा है, “वह मेरी जंजीरों से लज्जित न हुआ” (2तीमु.1:16)। अगर आप हाँ कहेंगे, तो मैं आपको एक बात बताना चाहता हूँ – आपको लज्जित नहीं होना पड़ेगा। क्या वे लोग जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करते हैं, उन्हें परमेश्वर के लोग नहीं कहा जाता? “मेरी प्रजा की आशा फिर कभी न टूटेगी, वे लज्जित न होगें (योएल 2:26)।
क्या यह उनसे सम्बधिंत नही है?
जबकि वे अपनी व्यक्तिगत जीवन, परिवारिक जीवन और आर्थिक रूप से कई परेशानियों का साम्हना करते हैं, लेकिन उन्हें लज्जित नहीं होना पड़ेगा!
इस संसार में जहाँ पाप और हिंसा बढ़ गई है,
वहाँ अगर आप अकेले भी हैं,
जो पवित्र परमेश्वर की घोषणा करने में लज्जित नहीं होते हैं,
तो आपको इस संसार में लज्जित नहीं होना पड़ेगा!
हो सकता है कि आप मृत्यु की घाटी से गुजर रहे हैं, और एक दिन इस दुनिया से चले जाएं,
लेकिन आपको लज्जित नहीं होना पड़ेगा!
एक दिन जब राजाओं का राजा फिर से आएगा,
हाँ, जब प्रभु यीशु मसीह दुसरी बार आएगा,
तो आपको लज्जित नहीं होना पड़ेगा (मरकुस 8:38)।

प्रियों,
आप जितना अधिक यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करेंगे,
उतना ही आपका नाम स्वर्ग में जोर से पढ़ा/पुकारा जाएगा!
आपको इस संसार या आने वाले संसार में किसी भी चीज या किसी भी इंसान के साम्हने लज्जित नहीं होना पड़ेगा (मत्ती 10:32)।

इसलिए, प्रेरित पौलुस की तरह जिसने बिना किसी लज्जा और भय के राजा अग्रिप्पा के साम्हने यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार किया,
उसी प्रकार मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप लोगों के डर या लज्जा के बिना यीशु मसीह को हर समय और हर जगह प्रगट करें।
राजा दाऊद की तरह जिसने कहा,

"और मैं तेरी चितौनियों की चर्चा राजाओं के साम्हने भी करूंगा,
और संकोच न करूंगा" (भजन सं.119:46)।
यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करें!
तब, लोग कलीसिया में शामिल होंगे!
तालाब बपतिस्मा हौद में बदल जाएँगे!
और नदियाँ यरदन नदी बन जायेंगी!
आपके माध्यम से,
जीवन की पुस्तक में कई पृष्ठ भरे जाएँगें!
आपके लिए स्वर्ग में स्वर्गदूतों के साम्हने आन्नद होगा और तालियाँ बजेंगी!

प्रिय भाई और बहन,
यदि आज आप सुसमाचार प्रचार करने में असफल हैं या लज्जित हैं तो
अभी घुटने टेकें!
पवित्र आत्मा तुरंत आपके संदेह, लज्जा और आंतरिक भय को दूर कर देगा!
यदि आप नाव के निचले भाग में योना की तरह हैं,
तो वह आपको ऊपरी कक्ष के पतरस के रूप में बदल देगा!
आप अंधकार की शक्तियों के विरूद्ध लड़ने के लिए योद्धा बन जाएँगे!
सच्चे शिष्यों के रूप में,
आप जहाँ भी जाएँगे, आपको "शांति के पात्र" होगें!
आप विनम्रता और प्रतिभाओं से आभूषित होंगे,
ताकि आप किसी संस्था या कलीसिया के अगुवा बन सकें,
और संसार को बदलने वाले प्रेरित बन सकें!
सुसमाचार की तुरही आपके हृदय और घर में हर समय गूंजती रहेगी!
मसीह का प्रेम आपको लगातार प्रेरित और अगुवाई करेगा!
इस वर्ष भारत के छःह लाख गाँवों में से,
आपके द्वारा कम से कम एक गाँव सुसमाचार के दीपक से प्रकाशित होगा और
कलीसिया फूल की तरह अवश्य खिलेगी। आमीन।

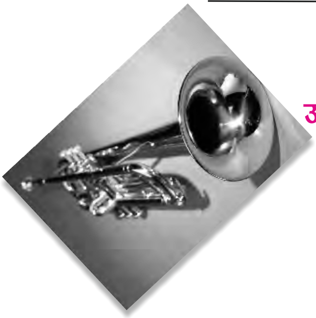

**आप जितना अधिक यीशु मसीह के
सुसमाचार का प्रचार करेंगे,
उतना ही आपका नाम स्वर्ग में जोर से पुकारा जाएगा!
आपको इस संसार या आने वाले संसार में
किसी भी चीज या किसी भी इंसान के साम्हने
लज्जित नहीं होना पड़ेगा।**

प्रार्थना

हमारे पवित्र परमेश्वर,
हमें आपकी आराधना और प्रंशसा करने के लिए मनुष्य के रूप में
बनाया गया था लेकिन हमने अदन के बगीचे को नष्ट कर दिया
और उसी दिन से हम
अपने शरीर, स्वास्थ्य और शुभ अवसरों को नष्ट कर रहे हैं!
हम पश्चाताप् करना तो चाहते हैं, हम बदल नहीं पाते
जबकि हम स्वयं को कड़ी सजा देते हैं,
फिर भी, हमारे दिमाग बुरे विचारों से भरे हुए हैं और
तेरी ओर ध्यान केंन्द्रित करने में असमर्थ हैं!
जैसे ही क्रोध उबलता है, कोई एकता नहीं रह जाती!
बुरी आदतों ने हमारे शरीर से स्वास्थ्य को छीन लिया है!
हे प्रभ, जिसने हमें बनाया है, केवल तू ही हमें बदल सकता है!
पिता, हम क्रूस के माध्यम से अपने उद्धारकर्ता को देखते हैं
जिसे उसने दृढ़ता से पृथ्वी पर स्थापित किया है!
पिता, हम स्वर्गीय उद्धारकर्ता को स्वीकार करते हैं
जो हमें पाप, अभिशाप, मृत्यु और शैतान से हमें बचाता है!
हम समझते हैं कि हमारे मस्तिष्क उसके माध्यम से नवीनीकृत हो सकते हैं!
हम विजयी झण्डा फहराने के लिए अनुग्रह को देखते हैं
शरीर, दुनिया और शैतान– इन तीनों चीजों से ऊपर
"यीशु" के नाम पर!
हे पिता, कटनी के स्वामी, हमारे बाकी दिन तुझे समर्पित हों सभी जरूरतमंदों के लिए
क्रूस की आशीष की घोषणा करने के लिए
पिता, हम उद्धारकर्ता और प्रभु यीशु मसीह के नाम पर प्रार्थना करते हैं
कि हर शहर और गाँव यीशु को देखें और जीवित रहें, आमीन!

साक्षी और प्रमाण...

मेरा जीवन इस बात की साक्षी/गवाह और प्रमाण है कि परिवार को प्रभावित करने वाली चिंता, आँसू, शांति की घटी और वित्तिय समस्याएं परिवार के मुखिया के व्यवहार पर निर्भर करती हैं। मैं हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के छत्तर गाँव से हूँ। मेरा पूरा परिवार निराश था क्योंकि मैं शराब का आदी था। यही कारण था कि मेरे परिवार की आय साल दर साल कम होती गई। मैं अपना अधिकांश समय घर के बजाय सड़कों पर व्यतीत करता था। बहुत से लोग थे जो मुझ पर तरस खाते थे, लेकिन किसी ने मुझे छुटकारे का मार्ग नहीं दिखाया।

मुझे अपने घर के पास रहने वाले एक विश्वासी के माध्यम से सुसमाचार प्रचारक/कार्यकर्ता प्रकाश चंद से मिलने का अवसर मिला। मुझे प्रार्थना सभा में ले जाया गया। मुझे प्रार्थना के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। लेकिन मुझे विश्वास था कि एक व्यक्ति था जो मेरे जीवन के बारे में चिंतित था। हाँ, यह उद्धारकर्ता यीशु मसीह ही था। यह वही है जो किसी भी प्रकार के पापी को गले से लगाता है और मैंने अपना जीवन उसे समर्पित कर दिया। मैं प्रार्थना, उपवास प्रार्थना और वचन द्वारा परामर्श के माध्यम से मसीह में एक नई सृष्टि बन गया। आज, मैं शराब से नफरत करता हूँ और मैं परमेश्वर के वचन की इच्छा रखता हूँ। इसलिए मैं अपनी पत्नी और बच्चों के साथ उन जगहों पर जाता हूँ जहाँ मुझे वचन मिल सके। यह यीशु द्वारा किया गया मेरे जीवन में सबसे बड़ा आश्चर्यकर्म है। *– विश्वासी बिशम्बर सिंह*

सुसमाचार से मिलने वाले आनन्द के लिए सृष्टिकर्ता की स्तुति करें!

ग्यारह लोगों की एक समूह के रूप में, हम ने अराक्कू घाटी में बोड्डागोंडी क्षेत्र में आराधना भवन को समर्पित करने के लिए विशाखापत्तनम की ओर यात्रा की। विशाखापत्तनम से पहाड़ों के बीच से यह एक अविस्मरणीय रेलगाड़ी यात्रा थी। वहाँ अंग्रेजों के समय में खोदी गयी सुरंगे थीं और जहाँ भी हम मुड़ते थे, हरियाली थी, जो हमें अपने प्रारम्भिक समय के अदन की बारी की याद दिलाती थी। हम घाटियों, झरनों, सागवान और नीलगिरी के वृक्षों के बीच में थे। अराक्कू की घाटी में हल्की बारिश ने हमारा स्वागत किया।

हमने अराक्कू घाटी से दो घंटे की यात्रा की और ओडिशा के कार्यक्षेत्रों में पहुँच गए। हम कुछ दूरी पर रूदाकोटा क्षेत्र के आराधना भवन को देखने में सक्षम थे। हमारी गाड़ी आराधना भवन के बाद एक पहाड़ की तलहटी के नीचे खड़ा था। वहाँ से हम जीप गाड़ी में चले क्योंकि हमारा वाहन ऐसे पहाड़ पर नहीं चढ़ सकता था। इन पहाड़ों के ड्राइवर दुनिया में सबसे अच्छे ड्राइवर होते हैं क्योंकि उनमें लोगों को इन खतरनाक संकरे मार्गों से सुरक्षित रूप से ले जाने की दक्षता है। किन्तु वे लोग जो वाहन के अन्दर थे, अपनी सांस को रोके हुए थे। कई उतार–चढ़ावों वाला उबड़–खाबड़ रास्ता और सड़क पर जानवरों ने भी हमें रोका। फिर 45 मिनट की साहसिक यात्रा के बाद, हम बोड्डागोंडी पहुँचे। उन ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान ने हमें पहाड़ पर हमारे कठिन रास्ते/रूकावट को भूलने में सक्षम बनाया। 50 से अधिक युवा विश्वासियों ने हमारा स्वागत किया और हम उनके स्वागत से बहुत आन्नदित हुए। प्रभु की स्तुति और आराधना करने के लिए उनके गीत और नृत्य सुनकर हम प्रभु की उपस्थिति से भर गए। एक परिवार के रूप में, मैं और मेरी धर्मपत्नी सोच रहे थे कि क्या हम इस लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। लेकिन जब हमने उस खूबसुरत आराधना भवन को देखा, तो हमें विश्वास हो गया कि यह पवित्र आत्मा ही था जिसने हमें कठिन यात्रा पर जाने के लिए अगुवाई किया।। हमने 30.06.2024 को आयोजित समर्पण कार्यक्रम सेवा में भाग लेना हमारे लिए एक सौभाग्य की बात थी। हम उन सभी क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को आभार व्यक्त करते हैं जो इन कठिन गाँवों में सुसमाचार प्रचार करते हैं और उन गाँवों को आशा की किरण के रूप में स्थापित करते हैं। हम हर दिन प्रार्थना करते हैं कि 2030 तक क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के माध्यम से एक लाख गाँवों को आशीषित किया जा सके! *– डेविड पांडियन का परिवार!*

नेटवर्क चेयरमैन की ओर से...

मसीह में प्यारे भाईयों और बहनों,

परमेश्वर पिता और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का अनुग्रह और उसकी शांति आप पर बनी रहे।

प्रभु आश्चर्यजनक रूप से विश्ववाणी सेवकाई का नेतृत्व कर रहा है। उसके मार्गदर्शन के माध्यम से हम उसकी योजनाओं को पूरा करने के लिए विशिष्ट योजनाओं को बना पाते हैं। सेवकाई में प्रतिदिन होने वाली घटना के रूप में अद्भूत चमत्कार और चिन्ह देखे जाते हैं। जब हम यीशु उस महान आदेश को पूरा करने का प्रयास करते हैं, "इसलिए तुम जाओ और सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें बपतिस्मा दो... मानना सिखाओ, तब यीशु हमें यह कहते हुए स्पष्ट करता है, "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है, मैं जगत के अंत तक सदा तुम्हारे संग हूँ"।

अपने पिछले अंक में हिमालय पर हमारी सेवकाई के शुरूआती चरणों के बारे में पढ़ा होगा। इस अंक में हम पूर्वोत्तर भारत की सेवा के विषय में देखने जा रहे हैं, विशेषकर पश्चिम बंगाल, सिक्किम और असम के उत्तरी भाग की सेवा। नेपाली बोलने वाले रेव्ह. प्रकाश क्षेत्री उस प्रांत के राज्य समन्वयक हैं और रेव्ह. जेम्स लुशाई, रेव्ह. मनोज प्रधान और रेव्ह. अजय राभा क्रमशः उत्तर–पश्चिम बंगाल, सिक्किम और असम के राज्य समन्वयक है।

सेवा क्षेत्रों में फलः

124 सेवकाई क्षेत्रों के 650 गाँवों में की जाने वाली सेवा नेपाली, बोडो, राजबांगसी, संथाली, उराँव, मुण्डारी, सिक्किमी, लेप्चा, भूटिया, असमिया और बंगाली जन–जाति और भाषा के लोगों के मध्य परिवर्तन के लिए सहायक हैं। 135 बाइबल अध्ययन समूह उन्हें आत्मिक और नैतिक रूप से बढ़ने में मदद करते हैं। 135 आराधना समूह हैं, और 65 आराधना भवनों को परमेश्वर की महिमा के लिए अत्यंत खूबसूरती से बनाया गया है। हम पिछले वित्तिय वर्ष के दौरान समर्पित किए गए 6 आराधना भवनों के लिए परमेश्वर की प्रशंसा करते हैं। आराधना में भाग लेने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 6605 हो गई है, जिसमें से 5073 लोगों ने मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया है। प्रभु की स्तुति हो।

मैं यहाँ हूँ, मुझे भेज...

103 युवा, यानी सिल्लीगुड़ी से 30, सिक्किम से 23 और असम से 50 ने अपने लोगों के बीच पूर्णकालिक क्षेत्रीय कार्यकर्ता के रूप में काम करने की प्रतिबद्धता के साथ एज्रा कैंप के लिए आवेदन किया है। हमें उन्हें प्रशिक्षित करने और सेवा क्षेत्रों में भेजने के लिए आपकी प्रार्थना और वित्तिय सहायता की आवश्यकता है।

जिस विश्वासी ने मसीह यीशु में नया जीवन प्राप्त किया है, उसे अपने गाँव में दूसरों को भी उसी नये जीवन के अनुभव की ओर ले जाना चाहिए। किसी क्षेत्रीय कलीसिया के परिणामस्वरूप अन्य गाँवों में नये क्षेत्रीय आराधना समूहों का गठन किया जाना चाहिए। मसीह के माध्यम से परिवर्तित होने वाले गाँवों को सुसमाचार के माध्यम से अन्य गाँवों को आशीषित करना चाहिए। परिणामस्वरूप, हम एक लाख गाँवों तक पहुँचने में सक्षम हो सकेंगे। इस दर्शन के साथ हर विश्वासी को मसीह के प्रेम को बांटने वाला एक सुसमाचार सेवक बनना चाहिए। यह कार्य योजना है जो परमेश्वर द्वारा दी गई है और वह निश्चित रूप से हमें इसे पूरा करने के लिए अपना अनुग्रह भी देगा।

सामुदायिक विकास सेवाएं:

लोगों के प्रति सेवा का समग्र दषष्टिकोण लोगों की सामाजिक, आत्मिक और भौतिक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है। सिलाई कक्षाएं और शाम के समय बच्चों के लिए टय्शन केन्द्र 2 कार्य क्षेत्रों में आयोजित किए जाते हैं। माटीगारा में चाइल्ड केयर केन्द्र और गयागंगा में कौशल विकास केन्द्र संचालित होते हैं। ये योजनाएँ विश्वासियों और ग्रामीणों के लिए लाभदायक हैं। इन गतिविधियों से राष्ट्र में अच्छे नागरिकों की संख्या में वृद्धि होती है। प्रभु की स्तुति हो।

हमारे दर्शन के अनुसार, असम से 4500 गाँव, सिल्लिगुड़ी से 2000 और सिक्किम से 200 गाँवों को सुसमाचार के माध्यम से बदलने का लक्ष्य है। 2030 तक सुसमाचार प्रचार करने वाले क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की संख्या 1340 तक पहुँचनी चाहिए और विश्वासियों द्वारा सेवा क्षेत्रों में आत्माओं की कटनी बढ़नी चाहिए। गाँव तभी बदलेंगे जब प्रार्थना करने वाले और कार्यकर्ताओं को भेजने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी। हमारे प्रभु यीशु मसीह सुसमाचार के काम के बारे में चिंतित हैं। आप भी उसके इस कार्य का हिस्सा बन सकते हैं।

मैं बंगलादेश की सीमा के पास जियोरामुनी क्षेत्र में सेवकाई में उनके मार्गदर्शन के लिए परमेश्वर की स्तुति करता हूँ। छोटा पाटमारी के सेवा क्षेत्र में जो कि बगल में है, एक खूबसूरत आराधना भवन है। आराधना भवन के निर्माण के लिए जियोरामुनी में जमीन खरीदी गई और निर्माण कार्य भी शुरू हुआ था। लेकिन विरोध के कारण इसे रोक दिया गया। चार युवक मोटरसाईकिल पर आए और निर्माण स्थल पर मौजूद विश्वासियों को धमकाया और काम रूकवा दिया। इस सेवा क्षेत्र में काम करने वाले सेवक और विश्वासियों ने हिम्मत नहीं हारी और हिम्मत और विश्वास के साथ प्रार्थना में लगे रहे। जब आराधना भवन की इमारत खड़ी हो गई, तो वही युवक फिर आए और भवन को गिरा दिया। विश्वासियों ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी और युवकों को दंडित किया गया और गिरफ्तार किया गया। इसलिए हमने निर्माण कार्य रोक दिया और खुले द्वार के लिए प्रार्थना कर रहे थे।

हालांकि, निर्माण कार्य रूक गया था, लेकिन विश्वासियों ने प्रार्थना जारी थी। अचानक, एक दिन चारों में से एक युवा अरूण डोस ने विश्वासियों से निर्माण कार्य पुनः शुरू करने के लिए कहा और कहा कि वे उन्हें रोकने के लिए अब कोई अराजकता उत्पन्न नहीं करेंगे। यह तो आश्चर्यजनक है, यह अचानक परिवर्तन उसके अन्दर किसने किया? जिस कमरे में अरूण डोस सो रहे थे, वहाँ एक तेज रोशनी आई। वह उस तेज रोशनी में एक आदमी को देख सकता था और उस व्यक्ति ने अरूण डोस से निर्माण कार्य को न रोकने के लिए कहा! हाँ, जब उसने यीशु की आवाज सुनी, तो सभी विरोध सुअवसर में बदल गए। आराधना भवन का निर्माण किया गया और उसे परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया। प्रभु की स्तुति हो। दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल के हिमालय में एक पर्यटन स्थल है। हमारा यहाँ कार्यालय भी हैं। हमने प्रार्थना सहायता केन्द्र और एक प्रशिक्षण केंन्द्र बनाने के लिए पाँच वर्ग पोल यानी 1360 वर्ग फीट की जमीन का एक टुकड़ा देखा है। एक वर्ग पोल जमीन की कीमत 3.50 लाख रूपये है, और हमें 5 वर्ग पोल जमीन खरीदने के लिए 17.50 लाख रूपये चाहिए। परमेश्वर के सेवकों का यह कर्तव्य है कि वे विश्वासियों के साथ सेवकाई की आवश्यकताओं को अवश्य बांटें और यह परमेश्वर की जिम्मेदारी है कि वह अपने बच्चों को सेवा की जरूरतों को पूरा करने के लिए खड़ा करें। कृप्या प्रार्थना करें और इस महान काम में हिस्सा लें।

हम आप सभी प्रार्थनाओं, योगदानों और भागीदारी के लिए हृदय से आपका धन्यवाद करते हैं। परमेश्वर का अनुग्रह आप पर बनी रहे।

हैदराबाद   मसीह में आपका भाई

12.07.2024   *पी.सेल्वाराज, अध्यक्ष, विश्ववाणी नेटवर्क*

पीछे नहीं मुड़ना है

हमने मणिपुर राज्य में सात दिनों तक प्रार्थना यात्रा की। गाँव खाली करवाए गए, कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, आराधना भवन की इमारतें ध्वस्त कर दीं गईं, सुसमाचार प्रचारकों के घरों को भी नूकसान हुआ। हम जहाँ भी जाते, हमारी आँखों में आँसू भर आते हैं। हम 13 जून को इम्फाल और 19 जून को खुनौ पहुँचे। सात दिनों की यात्रा थकाऊ थी।

हर 30 मीटर पर चेक–पोस्ट थे। हर गाँव में आत्म–रक्षक दल थे। लगभग बीस हजार लोग अपनी ही जमीन पर शरणार्थी बनकर तिरपाल के नीचे रह रहे थे।

मैं अपने 88 वर्षीय पिता को अपनी पीठ पर लादकर ले जाता हूँ, और उन्हें पास के जंगल में छिपाकर उनकी देखभाल करता हूँ। जब भी मैं सेवकाई के लिए बाहर जाता हूँ, तो मेरे पिता अपनी चारपाई के नीचे छिप जाते हैं। लेकिन यह परमेश्वर ही है जिसने अब तक हमारी रक्षा की है”।

सुसमाचार कार्यकर्ता, रोइमुथांग की हृदय विदारक गवाही।

“पिछले एक महीने से मैं अपने गाँव में प्रवेश करने में असमर्थ हूँ। सुसमाचारक प्रचारक रमेश सिंह का प्रार्थना निवेदन!

“मेरे अलावा हमारे परिवार में कोई भी ऐसा नहीं था जो यीशु को जानता हो। हमारे घर पर आयोजित होने वाली विश्वासियों की संगति में शामिल होने वाले लोगों की संख्या आपदा के बाद कभी कम नही हुई”। एक युवा रोजित मोइबाम की गवाही जो परमेश्वर की स्तुति करती है।

“आज हमारे पास कोई आराधना भवन नहीं है। यह सच है कि जब भी हम उस जगहा को देखते हैं जहाँ आराधना भवन ऊँचा खड़ा था, तो हम आँसू से भर जाते हैं। लेकिन एक दिन आने वाला है जब यीशु हमें एक महिमामय आराधना भवन देने जा रहे हैं जो उस आराधना भवन से भी बेहतर होगा जिसे हमने खो दिया है”। केनोऊ गाँव के विश्वासीयों की आवाज।

“हमारे गाँव के 35 लोगों ने यीशु मसीह पर विश्वास किया। आराधना के दौरान 60 से अधिक लोग इकट्ठा होते हैं। बरामदे में कोई जगह नहीं बचती है। 3500 वर्ग फीट की जमीन तैयार है। विश्वासियों से अनुरोध है कि कृप्या इसे खरीदने और एक आराधना भवन बनाने के लिए आगे आएँ”। कीनोबोक गाँव के युवा विश्वासियों का प्रार्थना निवेदन!

“हमने वह सब खो दिया जो हमारे पास था, लेकिन हमने यीशु में विश्वास को नहीं खोया है। ऐसा कोई बहाना/रास्ता नहीं है जिससे हम यीशु से मूँह मोड़ लें”। कार्य क्षेत्र में लगे एक विश्वासरूपी फल की गवाही।

हम 200 परिवारों के लिए राहत कार्य का चौथा चरण पूरा कर पायें। हम हजारों लोगों के आँसू पोंछने और उनके हाथों में बाइबल देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। धन्य हैं वे लोग जो मणिपुर की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। हालाँकि उन्होंने अपना जीवन, सामान और घर सब खो दिया है, किन्तु वे यीशु में दृढ़ हैं। आइए, हम विश्वासियों और सुसमाचार कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों के लिए वह करें जो हम कर सकते हैं। धन्य हैं वे लोग जिन्होंने इसमें अपना योगदान दिया है और वें जो मणिपुर के लोगों के भलाई के लिए अपना योगदान देंगे! *– भाई किंग्सले, एशोसिएट डायरेक्टर।*

विकास और परिवर्तन

इन वर्तमान दिनों में, हम पाप में फंसे लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हैं और छुटकारा, उद्धार और उनके लिए प्रकाश की इच्छा रखते हैं। साथ ही, ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने सुसमाचार के द्वारा सच्चे प्रकाश को प्राप्त किया है और प्रभु में आनन्दित हैं। प्रभु की स्तुति हो, उत्तर प्रदेश के 512 गाँवों में 199 आराधना समूह काम कर रहे हैं। परमेश्वर के वचन में मजबूत हुए लोग न केवल आराधना में भाग ले रहे हैं, बल्कि सामुदायिक विकास कार्य में भी शामिल हैं। 23 शिक्षकों के माध्यम से 7 वेब केन्द्रों पर 597 बच्चों के लिए आयोजित नैतिक कक्षाओं ने उनके हृदयों मे पापों के प्रति विमुखता पैदा की। इन क्षेत्रों की कलीसिया के प्राचीन और छोटे समूह के अगुवे एक साथ इकट्ठा होते हैं और प्रार्थना करते हैं। वे गाँव के परिवर्तन और कलीसिया के विकास से संबंधित निर्णय भी लेते हैं। जब हम महिलाओं को सिखाए जाने वाले स्वरोजगार कौशल, सीखे गए सामाजिक विकास कौशल और ग्रामीणों के कल्याण और उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए कार्य योजना देखते हैं, तो हम यह देखने में सक्षम होते हैं कि परमेश्वर हर गाँव में अपना काम कर रहा है। सेवकाई का लक्ष्य है कि ग्रामीणों की भौतिक, सामाजिक और आत्मिक जरूरतें पूरी की जाएँ और गाँव समृद्धि की ओर बढ़ें। भोजपुरी क्षेत्र में काम करने के लिए 16 जवान आगे आयें हैं। हमें इन जवान युवाओं को भेजने और उनका सहयोग करने के लिए हृदय से “अंन्ताकिया” से विश्वासीयों की जरूरत है। *– अनिल कुमार, राज्य समन्वयक*

2023–2024
लेखा–जोखा

हजारों प्रशंसा कटनी के स्वामी की!

स्वर्ग के परमेश्वर का धन्यवाद करो। उसकी करूणा सदा की है
(भजन संहिता 136:26)

प्रभु में हमें अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक सेवकाई के घटनाक्रमों को सेवा सहयोगियों के साथ बांटने में प्रसन्नता हो रही है। हम विनम्रता पूर्वक आपको बताते हैं कि "हम निकम्मे दास हैं, जो हमें करना चाहिए था, हमने केवल वही किया है"(लूका 17:10)।

परमेश्वर भला है जो हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह जो क्रूस पर मारे गए थे के अद्भूत प्रेम को प्रचार करने के लिए 1980 से विश्ववाणी सेवकाई का नेतृत्व कर रहा है। वह कभी न बदलने वाला प्रभु हैं क्योंकि उसने हमें अब तक उसी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने में सक्षम बनाया है, "मूल निवासी, क्षेत्रीय कार्यकर्ता भेजना, भारतीय विश्वासियों द्वारा सहयोग"। परमेश्वर का अनुग्रह उसकी संतानों की प्रार्थनाओं और योगदान तथा स्वैच्छिक प्रतिनिधियों के महान प्रयासों के कारण हम पिछले वित्तिय वर्ष में अच्छी फसल देख पाएं।

2023–2024 के 12 महीनों के दौरान 13 नये जिलों में सुसमाचार सेवा शुरू की गई है। 224 गाँवों के लिए नये सुसमाचार कार्यकर्ता भेजना परमेश्वर का अनुग्रह है। परमेश्वर के लोगों ने पिछले वित्तिय वर्ष की तुलना में आदरपूर्ण सेवकाई के लिए 7 प्रतिशत अधिक दान दिया है। परिणामस्वरूप, नये सुसमाचार कार्यकर्ता प्रशिक्षित किए गए और सेवारत कार्य क्षेत्रों में 85 आराधना भवन समर्पित किए गए और 137 आराधना भवन फसल के स्वामी के अनुग्रह से निर्माणाधीन हैं। वित्त वर्ष 2023–2024 के लिए सेवा सहयोगियों द्वारा प्राप्त सहयोग 75,42,53,204/– रूपये है। हम सभी प्रार्थना समूह के सदस्यों, गाँवों को गोद लेने वाले सभी लोगों, सेवा के प्रतिनिधियों और विश्वासियों और उनके परिवारों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने सेवा क्षेत्रों में आराधना भवनों के निर्माण के लिए अपना सहयोग दिया है। हम आदरणीय बिशप, पासवान, कलीसिया के विश्वासियों और डेवलपमेंट कार्यकर्ताओं के भी हृदय से आभारी हैं। जैसे–जैसे सेवकाई में आँसुओं के साथ बोने और आन्नद के साथ काटने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है, हम भारत के गाँवों तक पहुँचने के लिए इस सेवकाई का हिस्सा बनने के लिए आपका स्वागत करते हैं। यीशु मसीह के राज्य का विस्तार करने के लिए कृप्या हमारे साथ जुड़े रहें और अन्य लोगों को भी जोड़ें। प्रभु आपको बहुतायत की आशीष दें।

रेव्ह. डॉ. विल्सन ग्नानानकुमार
कार्यकारी निदेशक

पी.सेल्वाराज
अध्यक्ष, विश्ववाणी नेटवर्क

मैं मसीह के सुसमाचार से लज्जित नहीं होऊंगा

– रेव्ह. डॉ. इम्मानूएल ग्नानाराज, निर्देशक – प्रेयर नेटवर्क

प्रेरित पौलुस ने रोमियों 1:16 में लिखा है कि मैं सुसमाचार से नहीं लज्जाता। वह उसी पद में लज्जित न होने के कारण भी बताता है कि "इसलिए कि वह हर एक विश्वास करने वाले के लिए पहले तो यहूदी फिर यूनानी के लिए उद्धार के निमित परमेश्वर की सामर्थ्य है। जब हम इस पद पर मनन करते हैं तो हमें सबसे पहले "लज्जा" शब्द और उसके प्रभावों पर विचार करना चाहिए। विनम्रता और संकोच शब्द लज्जा शब्द से संबंधित हैं। लज्जा शब्दकोश की परिभाषा शारीरिक प्रभावों से संबंधित है जबकि हृदय का प्रभाव विनम्रता और संकोच है। लज्जा की मानसिक स्थिति हमारे आत्मविश्वास को खो देती है। यह डर और चोट लगने वालों के लिए दया की भावना भी उत्पन्न करता है। यह याजक और लेवी द्वारा अनुभव की गई समान भावना को पैदा करता है जब उन्होंने डाकुओं द्वारा हमला किए गए एक व्यक्ति को अधमरा हुआ देखा, लेकिन उसकी सहायता करने के लिए आगे नहीं आए, बल्कि बस ऐसे देखकर चले गए जैसे कि उन्होंने इसे देखा ही नही। यह एक लज्जाजनक बात है। दो कारण हैं कि हम जिम्मेदारी नहीं लेते और लज्जा क्यों महसूस करते हैं। सबसे पहले, हमारा हृदय प्रभावित लोगों की जरूरतों को महसूस करने में सक्षम नहीं हैं। वह व्यक्ति जिसे पाप के बंधन में फंसे लोगों के साथ सुसमाचार प्रचार करने की आवश्यकता है, उसे पहले यह अनुभव करना चाहिए और जानना चाहिए कि यीशु ने हमारे पापों के लिए स्वयं को बलिदान के रूप में दिया है और वह हमें बचाएगा। उसे उन लोगों की स्थिति को समझना चाहिए जिनके पाप क्षमा नहीं किए गए हैं। तत्पश्चात् उसके द्वारा पश्चाताप् करने वाले हर पापी के लिए स्वर्ग में मनायी जाने वाली आन्नद के विषय में भी जाननी चाहिए। उसे उस व्यक्ति की मदद करने के लिए समय और पैसा खर्च करने के बारे में भी पता होना चाहिए जो दुर्घटना का शिकार हुआ है, चाहे इससे उसका नुकसान हो या लाभ। वे सभी मसीही जो इस बात का अहसास नहीं करते हैं, वे उन लोगों की तरह होंगे जो स्वयं को उस कार्य में शामिल किए बिना अलग हो जाते हैं। वे सुसमाचार से लज्जित होंगे। लेकिन पौलुस लिखते है कि वह नहीं लजाता, वह इस पर गर्व करेगा क्योंकि यह उसका कर्तव्य है जो उसको दिया गया है।

क. मुझे किस बात से लज्जा नहीं आती?

सबसे पहले रोमियों 1:16 में पौलुस लिखता है कि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, इसलिए वह इसका कारण बताता है कि वह हर एक विश्वास करने वाले के लिए, पहले तो यहूदी को फिर यूनानी के लिए, उद्धार के निमित परमेश्वर की सामर्थ्य है। सुसमाचार पाप से छुटकारा देता है, पाप क्षमा का आश्वासन देता है और हमें पवित्र जीवन शुरू करने में मदद करता है (1यूहन्ना 1:9, यूहन्ना 5:24, रोमि.6:22)। जो लोग यीशु में विश्वास करते हैं, यह उन लोगों को परमेश्वर की संतान होने का अधिकार देता है जो यीशु पर विश्वास करते हैं और उसे अपने जीवन में स्वीकार करते हैं (यूहन्ना 1:12)। वह रोमियों 1:14–15 में भी लिखता है "मैं यूनानियों और अन्यजातियों का, बुद्धिमानों और निबुद्धियों का कर्जदार हूँ। अतः मैं तुम्हें भी जो रोम में रहते हो, सुसमाचार सुनाने को भरसक तैयार हूँ"।

ख. मैं किस बात पर घंमड करूँगा?

जब पौलुस कहता है कि उसे लज्जा नहीं आती तो इसका मतलब है कि इसके लिए कुछ भी कर सकता है। पौलुस गलातियों 6:14 में लिखता है, "पर ऐसा न हो कि मैं अन्य किसी बात का घंमड करूँ, केवल हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का, जिसके द्वारा संसार मेरी दृष्टि में और मैं संसार की दृष्टि में क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ। "क्योंकि हमारे प्रभु ने अपना लहू बहाया है और हमें छुड़ाया है। पौलुस कई स्थानों पर लिखता है कि वह परमेश्वर पर घंमड करता है। वह यह भी उल्लेख करता है कि वह अपनी कमजोरियों पर घमंड करता है। वह सुसमाचार के लिए अपने द्वारा अनुभव की गई परेशानियों और शर्म/लज्जा को सूचीबद्ध करता है और 2कुरि.11:17, 12:20 के पदों में यह भी बताता है कि वह इस पर गर्व/घमंड करता है। क्या आप इस तथ्य को स्वीकार कर सकते हैं जब पौलुस कहता है "मैं मसीह और सुसमाचार के लिए साम्हना की गई परेशानियों से लज्जित नही होता हूँ"। क्या पौलुस को अकेले ही इन सभी क्लेशों का साम्हना करना चाहिए? क्या इसमें हमारा कोई हिस्सा नहीं है?

ग. मैं प्रचार करने के लिए विवश हूँ

पौलुस 1कुरि.9:16 की शुरूआत इस तरह से करता है, "यदि मैं सुसमाचार सुनाऊँ तो मेरे लिए कुछ घमंड की बात नही, क्योंकि यह तो मेरे लिए अवश्य है" वह न तो केवल यह कहता है कि उसे प्रचार करने के लिए विवश किया गया था, बल्कि वह यह कहते हुए समाप्त करता है कि "यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊँ तो मुझ पर हाय" वह सुसमाचार का प्रचार एक कर्तव्य के रूप में आन्नद से करता है। परमेश्वर का प्रत्येक जन इसे करने के लिए बाध्य/मजबूर है और ऐसा करने के लिए विवश है। सबसे पहले, सभी को उद्धार के सुसमाचार को स्वीकार करना चाहिए। अन्यथा यह मूर्खता होगी, क्योंकि यीशु ने स्वंय यूहन्ना 3:18 में कहा है कि वे सभी जिन्होंने यीशु मसीह के सुसमाचार को स्वीकार नहीं किया है, भले ही वे अमीर और प्रसिद्ध हों, वे निंदित किए जाएँगे, जब हम यह महसूस करते हैं कि हमें बचाने के लिए इस पृथ्वी पर कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया है (प्रेरितों के काम 4:12) तो हम इसे घोषणा किए बिना ही कैसे चुप रह सकते हैं।

घ. यीशु मसीह के लिए कष्ट सहना

पौलुस ने तीमुथियुस से कहा, "मेरे साथ दुःख उठा और मसीह यीशु के एक अच्छे सैनिक की तरह सुसमाचार का प्रचार कर"। वह कहता है कि सुसमाचार के काम में हमारी भागीदारी के कारण नुकसान हो सकता है। कभी–कभी, हमें अपनी बचत से भी सेवकाई को देने की आवश्यकता होती है और इस तरह हम अपनी इच्छा को पूरा करने में असमर्थ होते हैं। पौलुस कुरिन्थियों 8 में लिखता है कि मकिदुनिया की कलीसिया सुसमाचार प्रचार के काम के लिए कितना अधिक देने में रूचि रखते थे। किसी कवि ने कहा है कि आपका परमेश्वर को देना इस हद तक होना चाहिए कि यह आपको प्रभावित करे। सी.टी. स्टड ने सेवकाई के लिए अपना घर दे दिया जो इंग्लैड में एक महल के जैसा था। वह एक सुसमाचार प्रचारक के रूप में चीन, भारत और अंत में अफ्रीका गए। जब उनकी बेटी शादी के बाद अपने पति के साथ पहली बार उनसे मिलने आयी तो उनके पास अपने दामाद को देने के लिए कुछ भी नहीं था। यह उनके लिए नुकसान नहीं बल्कि मसीह के लिए जो कुछ

उन्होंने दिया था, उनके लिए एक लाभ था। यह उनकी प्रतिबद्धता थी, और यह आज भी गर्व की बात है। विलियम कैरी अपने परिवार के साथ भारत आए और बाइबल का कई भाषाओं में अनुवाद किया। सुसमाचार के लिए उन्होंने जो परेशानियाँ, लज्जा और दर्द झेलें, उन्हें कभी भी गिना नहीं जा सकता। कल्पना कीजिए कि अपनी मृत पत्नी और बच्चे को दफनाने के लिए अपने हाथों से ही कब्र खोदने के लिए उन्हें कितना अधिक दर्द सहना पड़ा। इससे उनके जीवन में संकोच/लज्जा नहीं बल्कि इज्जत उत्पन्न हुई। हाँ, जो लोग मसीह के लिए अपनी संपत्ति को खो देते हैं, वे कभी भी अभाव में नहीं रह सकते। क्या यह सच नहीं है कि स्वर्गीय राज्य के विस्तार के लिए जिन लोगों ने मुसीबतें झेलीं, वे कभी घाटे में नहीं रहे! क्या यह आस्ट्रेलिया के ग्राहम स्टेन्स के लिए नुकसान था, जो ओडिशा में कुष्ठ रोगियों के बीच में काम करते थे, जब उन्हें उनके दो बेटों के साथ जिन्दा जला दिया गया था?

हमें क्यों कष्ट सहना चाहिए?

इब्रानियों 9:22 में लिखा है, “बिना लहू बहाये पापों की क्षमा नहीं”। कीमत चुकाए बिना क्षमा नहीं मिलती। कुलूस्सियों 1:24 में पौलुस का क्या मतलब है “अब मैं उन दुःखों के कारण आन्नद करता हूँ, जो तुम्हारे लिए उठाता हूँ और मसीह के क्लेशों की घटी उसकी देह के लिये, अर्थात कलीसिया के लिये, अपने शरीर में पूरी करता हूँ। उद्धार के लिए हर किसी को एक कीमत चुकानी पड़ती है। भारत राष्ट्र में सुसमाचार को प्रचार करने के लिए यीशु हमारे जीवन से क्या अपेक्षा रखता है? जरा इसके बारें में सोचें। हमें सुसमाचार के काम के लिए कीमत चुकानी होगी। हिन्दी भाषा में सुसमाचार प्रचारकों के लिए प्रशिक्षण पहली बार 1992 में दिल्ली में शुरू किया गया था। मैं उद्घाटन के लिए जम्मू से दिल्ली आया था। रास्ते में, मैंने अंबाला में एक घर ढूंढ़ा और यह सोचकर पहले ही कुछ पैसे दे दिया कि मेरा वहाँ तबादला हो जाएगा और उसके बाद मैं दिल्ली पहुँच गया। उद्घाटन समारोह में, एमिल अन्नन ने कहा, “तम्बी, तुम वापस नहीं जा सकते, तुम्हें यहीं रहना चाहिए और प्रशिक्षण का ध्यान रखना चाहिए। कोई दूसरा रास्ता नहीं हैं”। मैंने आज्ञा का पालन किया और दिल्ली में ही रहा। मेरा परिवार दिल्ली पहुँचा और मेरे बच्चों ने अपना स्कूल जाना शुरू किया। तीन महीने में प्रशिक्षण केंन्द्र बदलकर गोरखपुर कर दिया गया। मुझे अपने परिवार को दिल्ली से गोरखपुर लाना है। मैंने प्रभु की आवाज को सुना। मैंने अपने पत्नी और बच्चों को बताया कि मैंने न केवल स्वंय को बल्कि अपने परिवार और बच्चों और उनकी पढ़ाई को भी प्रभु के लिए समर्पित कर दिया है। लेकिन आज, जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ और उत्तर भारत में महान सेवकाई, हजारों सुसमाचार प्रचारकों और हजारों आत्माओं को देखता हूँ, तो मैं महसूस करता हूँ कि मुझे लज्जित नहीं होना पड़ा और सेवकाई ने मुझे कभी शर्मिंदा नहीं किया।

जब मैंने मोजेस राजाशेखर को अपनी दोनों किडनियाँ और आँखें खोने के बाद एक मंच पर यह अर्थपूर्ण गीत गाते हुए सुना, तो मैं रोमांचित हो गया:

“मेरा हृदय मुझे मसीह यीशु के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करता है, उस प्रभु के लिए जिसने मुझे जीवन दिया है”। अगर जिस व्यक्ति ने अपनी दोनों आँखें और किडनियाँ खो दी हैं, उसमें यह जोश है, तो हम मसीह के लिए क्या खो सकते है? क्या हम मसीह के लिए

झारखण्ड कार्यक्षेत्र की ओर से...

परमेश्वर की असीम अनुग्रह से हमने सिल्लीगुड़ी हिमकोर्स भवन में “आओं हम आस–पास के गाँवों में चलें” (मरकूस 1:38) शीर्षक पर आधारित सेवा सहयोगीगणों की क्षेत्रीय सभा आयोजित करने में सक्षम हुये। 5 साल के लम्बे अन्तराल के बाद हम इस प्रकार की प्रायोजक बैठक कर पाये। झारखण्ड और छत्तीसगढ़ से कुल 348 प्रतिभागी इस सभा में शामिल हुये। प्रभु ने इस सभा में अपनी पवित्र आत्मा की भरपूरीता को उडेंला। प्रभु के दास भाई सेल्वाराज अन्नन और श्रीमती जॉयस अक्का की उपस्थिती तीनों दिन रही और उन्होंने हमारे साथ समय बिताया। उनके साथ उत्तरी भारत के निर्देशक रेव्ह.डॉ.एलेक्स मोरिस, रेव्ह.डी.एस.राणा, रेव्ह.दिलीप कुमार जेना और रेव्ह.डॉ. आशानंद लीमा माननीय अतिथि वक्ता के रूप में वहाँ मौजूद थे। भाई जेम्स लुसाई और रेव्ह.रोशन नाजरीन ने भी विश्ववाणी सिल्लीगुड़ी कार्यालय से इस सभा के लिए बहुत बड़ी भूमिका निभाई और कड़ा परिश्रम किया। तीन क्षेत्रीय कार्य स्थानों के राज्य समन्वयकों रेव्ह. सलीम एक्का (झारखण्ड), श्री बाबूलाल टंडन (छत्तीसगढ–1) और रेव्ह. आशीष कुमार (छत्तीसगढ–2) ने इस क्षेत्रीय सभा की सफलता के लिए कठिन परिश्रम की। हम सभी डेवलपमेंट कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों के प्रति बहुत आभारी हैं, जिन्होंने प्रायोजकों से संपर्क करने और उन्हें इस सभा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। हम इस क्षेत्रीय सभा के आयोजन के लिए आवश्यक सहयोग के लिए राँची, चाँपा और रायपुर कार्यालय के सेवकों के भी आभारी हैं।

हमारे गायक दल ने सभा के दौरान मंच पर पवित्र आत्मा से भरकर बहुत ही शानदार तरीके से पिता परमेश्वर की महिमा की। हर एक भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ईश्वरीय वचन के द्वारा आशीषें प्राप्त हूई और उनकी प्रार्थनाओं और वित्तिय सहायता के माध्यम से उन्हें

विश्ववाणी सेवकाई को सहयोग करने का भार/बोझ मिला। हम उन सभी प्रार्थना योद्धाओं के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने इस सभा को सफल और आशीषमय बनाने के लिए सहयोग किया।

हम विश्ववाणी के सभी अगुवों माननीय बिशप आन्नद सिंह, कार्यकारी निदेशक रेव्ह.डॉ.डब्ल्यू विलसन, भाई प्रिंस अरूमयराज, भाई राजू मातूशेलाह और भाई पॉल वेस्ली के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने इस सभा के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन और सहयोग दिया। हम हिमालय क्षेत्र के सभी विश्ववाणी अगुवों, विशेष रूप से राज्य समन्वय भाई जेम्स लुशाई के भी आभारी हैं, जिन्होंने हमें और इस सभा के लिए सभी तरह की सहायता प्रदान की। हम हिमकॉर्स भवन के प्रबंधक के प्रति भी बहुत आभारी हैं, जिन्होंने सभा के लिए यह सुन्दर परिसर दिया। परमेश्वर उन सभी को अपने स्वर्गीय राज्य से दोगुणा आशीषें प्रदान करें।

– रेव्ह. डॉ. सिलवानुस तिर्कि, राँची

समर्पण पत्रिका की सदस्यता के लिये ऑनलाइन बैंक विवरण

A/C Name: VISHWA VANI SAMARPAN
Bank: STATE BANK OF INDIA
A/C No.: **1040 845 3024**
IFSC Code: **SBIN0003870**
Branch: ANNANAGAR WEST, CHENNAI

Please update us with transaction information so that we acknowledge with receipt
✆ 044-26869200

प्रार्थना करने और भेजने के लिए धन्यवाद

हम सी.एस.आई. क्राइस्ट द किंग चर्च, कोडईकंडल के प्रभारी रेव्ह.जे. जगदीश किरूबाकरन को 22.06.2024 को हांडी कार्यक्षेत्र, गुजरात के सुसमाचार प्रचार सेवकों को समर्पित करने के लिए धन्यवाद देते हैं, जहाँ वसावा लोग रहते हैं। हम रेव्ह. के.वेधामुथु, रेव्ह.अजय निर्मल, रेव्ह.ए. प्रसाद, रेव्ह.प्रशांत और एशोसिएट पासवान श्री जॉनसन ओर उन परिवारों को भी धन्यवाद देते हैं जो सुसमाचार कार्यकर्ताओं का सहयोग कर रहे हैं। हम यीशु के नाम से उन सभी लोगों का अभिनंदन करते हैं जो सुसमाचार वंचित गाँवों तक पहुँचने के लिए दर्शन के साथ काम करते रहें।

– प्रार्थना समन्वयक जेसुदास दुरईसिंह

नवापाड़ा में भलाई

कोडमबक्कम, चैन्नई से सेवा सहयोगियों ने वर्ष 2007 में सेवकाई के वृद्धि को देखने के लिए गुजरात राज्य का भ्रमण किया। वे पट्टाडी गाँव में आराधना भवन समर्पण सेवा में शामिल हुए। दोपहर में संगति के समय, उन्हें यहाँ एक अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की आवश्यकता का एहसास हुआ और उन्होंने इसके लिए प्रार्थना की। परिणामस्वरूप, नवापाड़ा के आराधना भवन परिसर में एक अंग्रेजी माध्यम स्कूल आरम्भ करने का प्रयास किया गया। वर्ष 2009 में 34 बच्चों के साथ स्कूल की शुरूआत हुई। निरंतर प्रार्थना के फलस्वरूप स्कूल में आने वाले बच्चों की संख्या बढ़ती रही। कुछ लोगों के एक समूह के प्रयासों के द्वारा भूमि खरीदी गई और विद्यालय का निर्माण किया गया। बच्चों की संख्या में लगातार वृद्धि के परिणामस्वरूप इस विद्यालय को सरकार ने 12वीं कक्षा तक संचालित एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बनाने की स्वीकृति दे दी है। यह सब परमेश्वर की अद्‌भूत कृपा है। जैसे–जैसे प्रार्थना करने वाले लोगों की संख्या बढ़ने लगी, वैसे–वैसे स्कूल में भी बच्चों की संख्या बढ़ने लगी और आज स्कूल में 400 बच्चे पढ़ रहे हैं। पिछले 3 सालों में 12वीं उतीर्ण करने वाले बच्चे अब कॉलेज की पढ़ाई कर रहे हैं। हमारे कई बच्चे जो विभिन्न क्षेत्रों में डिग्री कोर्स में प्रवेश ले चुके हैं, वे इस विद्यालय के विकास के लिए निरंतर प्रार्थना कर रहे हैं और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। आइए, हम सब मिलकर प्रार्थना करें ताकि वे अपने जीवन में आगे बढ़ सकें। ऐसे कई शिक्षक हैं जो स्कूल के प्रिंसिपल श्री मैक्सवेल वैलीवेल के साथ मिलकर विद्यालय को एक अलग स्तर पर ले जाने के लिए काम करते हैं। आइए, हम उनके लिए प्रार्थना करें ताकि परमेश्वर उनकी हार्दिक इच्छा को पूरी करें और उनके प्रयासों के अनुसार उन्हें प्रतिफल दें।

वर्तमान शैक्षनिक स्तर और शिक्षा विभाग कंप्यूटर के माध्यम से सीखने की बढ़ती हुई अपेक्षा के अनुसार कंप्यूटर प्रयोगशाला का बहुत महत्व है। चैन्नई के तांबरम में विश्वासी परिवारों द्वारा किए गए प्रयासों से, हम 12 कंप्यूटर खरीदने और प्रयोगशाला स्थापित करने में सक्षम हो पाये हैं। हमें ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो इसके लिए अपना सहयोग दे सकें। यह ध्यान में रखते हुए कि बच्चों को बिना किसी विलम्ब के शिक्षा में आगे बढ़ना चाहिए, प्रभु ने हमें 23 से 30 जून के बीच प्रयोगशाला स्थापित करने में सक्षम बनाया। श्री करूणाकरण पलायमकोट्टई से इस कार्य क्षेत्र में आए और हमने काम आरम्भ किया। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों को विशेष प्रशिक्षण दिया ताकि विद्यालय अधिक ऊँचाईयों पर पहुँच सकें। यह प्रशिक्षण शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए बहुत उपयोगी रहा। प्रभु उनके सेवाओं को आशीष दें। दुर्गम क्षेत्रों के सुविधाओं से वंचित जन–समूह के बच्चों को भारत के अच्छे नागरिक बनाने और विद्यालय को राज्य में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए विद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों के लिए निरंतर प्रार्थना करते रहें! हम ऐसे लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो विद्यालय के वर्तमान स्तर को बढ़ाने और संबंधित आवश्यकताओं को पूरा करने में हमारा सहयोग कर सकें। हम उन सभी लोगों का धन्यवाद करते हैं और उनका अभिनंदन करते हैं जो अच्छे भले कार्यों के लिए दान देते हैं। सी.एस.आर. ब्रेम कुमार, तांबरम।

स्कूल सेवकाई के विषय में अधिक जानकारी के लिए 94442 42661 पर संपर्क करें।

प्रभु की महिमा

प्रभु यीशु मसीह के अद्भूत एवं सामर्थी नाम में हमारा मसीही नमस्कार!

मैं झारखण्ड विश्ववाणी परिवार की ओर से आप सबका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि आपकी प्रार्थनाएं एवं आपका सहयोग निरंतर विश्ववाणी सेवकाई को फलवंत कर रही है।

मई 2024 और जून 2024 में परमेश्वर के अनुग्रह एवं आप सबकी प्रार्थनाओं के माध्यम से कई सभाओं को आयोजित करने में प्रभु ने हमारी सहायता की और इन सभाओं को परमेश्वर ने अपनी उपस्थिति के द्वारा फलवंत बनाया। सारी आदर और महिमा परमेश्वर को मिलें।

इन्ही दिनों में परमेश्वर ने सहायता की कि हम मई 22 से 23 मई को मुंडारी अनंत जीवन मेले का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 200 लोगों ने भाग लिया और परमेश्वर के प्रेम को जाना और आशीषित हुये। साथ ही नावाटोली क्षेत्र में 5 से 7 जून 2024 को कुरूख अनंत जीवन मेला का भी आयोजन किया गया जिसका मुख्य विषय यूहन्ना 5:24 से था। इस सभा में लगभग 500 विश्वासीगण शामिल हुए। इस सभा में स्थानीय विधायक बहन शिल्पी नेहा तिर्की ने भी विश्वासियों को आत्मिक और सामाजिक रूप से उन्नत होने के लिए प्रोत्साहित किया। आदरणीय बिशप पौलुस पवार, रेव्ह.दिलीप कुमार जेना और रेव्ह.डॉ.सिलवानुस तिर्की एंव उनके बहुमूल्य योगदान के लिए और सेवा में सहयोग करने के लिए मैं उनका आभारी हूँ। प्रभु आपको एवं आपके परिवार को बहुतायत की आशीष दें।

– रेव्ह. सलीम एक्का, राँची

सारी पृथ्वी यहोवा की महिमा से परिपूर्ण हो जाएगी।
(गिनती14:21)

जम्मू कश्मीर

परमेश्वर की स्तुति हो: 5 परिवारों ने प्रभु यीशु को स्वीकार किया और विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। भाई करमचंद जो प्रभु के प्रेम से दूर थे, वे सुसमाचार द्वारा उन्होंने प्रभु के प्रेम को जाना। पौंडरिया और जसवां क्षेत्र में सेवकाई के लिये द्वार खुलने के लिये। क्षेत्रीय कार्यकर्ता संजय भगत को प्रभु ने बच्चे की आशीष दी।

प्रार्थना करें: 4 लोग जिन्होंने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया, उनकी आत्मिक उन्नति के लिये। टांडा क्षेत्र में बच्चों के स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को प्रभु की आशीष मिलने के लिये। गगोर आराधना समूह के लिये आराधना भवन के निर्माण हेतू भूमि प्राप्त होने के लिये। धर्मकुंड क्षेत्र के लोगों के उद्धार के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हिमाचल प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति हो: बरोत क्षेत्र में आयोजित रात्रि सभा के माध्यम से 4 लोगों का उद्धार हुआ। 8 लोगों ने अपने पापों के पश्चाताप के बाद मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से 15 गाँवों को सेवकाई के लिये चिन्हित किया गया। 140 गाँव में आयोजित खोजियों की सभाओं के माध्यम से नए सम्पर्क प्राप्त हुये।

प्रार्थना करें: कार्यकर्ता गुरूदेव जो किडनी की समस्या से ग्रसित हैं, प्रभु उन्हें चंगाई देने के लिये। 10 युवा जिन्होंने पूर्णकालीन सेवकाई के लिये स्वयं को समर्पित किया। इस क्षेत्र के 223 गाँव जहाँ परमेश्वर का वचन बोया जाता है, 30, 60 और 100 गुना कटनी के लिये। गेथा और बांगरन क्षेत्र की कलीसिया के सदस्य आसपास के गाँव में सुसमाचार बाँटने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तराखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: दीपा के परिवार ने सुसमाचार सुना और अपने पापों का पश्चाताप किया और विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। श्यामपुर और जयदेवपुर गाँव में सेवकाई प्रारम्भ करने में प्रभु ने हमें सक्षम बनाया। इस क्षेत्र में खुले रूप से आयोजित सभा के माध्यम से कई लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना। प्रतीत नगर आराधना भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में निरंतर चलने वाली उपवास प्रार्थना सभाओं में प्रभु का चमत्कार होने के लिये। बपतिस्मे के लिये तैयार लोग प्रभु के ज्ञान में बढ़ने के लिये। उद्धार से वंचित क्षेत्रों में परमेश्वर का वचन पहुँचने के लिये। क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रदीप कुमार की पत्नी कविता जो डायलसिस पर हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पंजाब

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार करने वाले लागों की संख्या बढ़ रही है। कार्यकर्ता नरेन्द्र हरपाल को किडनी के रोग से चंगाई मिली। रेखा के परिवार को 10 वर्षों के बाद प्रार्थना के माध्यम से बच्चे की आशीष मिली। 20 युवाओं ने सुसमाचार सुनकर अपने पापों का पश्चाताप किया और मसीह में बढ़ रहे हैं।

प्रार्थना करें: 10 गाँवों में आयोजित होने वाली बपतिस्मा सभाओं के लिये। 45 स्थानों में आयोजित रात्रि सभाओं के माध्यम से सेवकाई फलवंत होने के लिये। विश्वासी हीरा की गवाही के माध्यम से कई लोगों का उद्धार होने के लिये। गुरदासपुर और भटिंडा जिले में निरंतर चलने वाला क्षेत्र सर्वेक्षण फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हरियाणा

परमेश्वर की स्तुति हो: जादौला क्षेत्र में आयोजित कैंप के माध्यम से 10 लोगों ने स्वयं को प्रभु यीशु के लिये समर्पित किया। दरबिंद, आशा और तुषार को चंगाई मिली, वे अपनी गवाही दूसरों के साथ बाँट रहे हैं। 16 क्षेत्रों में आयोजित बाल विद्यालय के माध्यम से 470 बच्चे लाभान्वित हुये। 10 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: भाई सिंह को टी.बी के रोग से चंगाई मिलने के लिये। सिरसा और जट्टीकलां क्षेत्र के लोगों के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। इस क्षेत्र में पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान – बाँसवाड़ा प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: युवा रामू ने अपने पापों का पश्चाताप किया और उनके समस्त परिवार को शान्ति मिली। 20 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। भाई लक्ष्मण का घर बाइबल अध्ययन केन्द्र बना। इस क्षेत्र में आयोजित बच्चों की सेवकाई के माध्यम से कई बच्चे लाभान्वित हुये। बबली को प्रभु यीशु द्वारा चंगाई मिली जिसके माध्यम से इस क्षेत्र में सुसमाचार कार्य फलवंत हो रहा है।

प्रार्थना करें: भेरू के परिवार को आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलने के लिये। रेगानिया और रतनपुरा क्षेत्र के लोगों के हृदय में परमेश्वर का वचन कार्य करने के लिये। सज्जनगढ़ और कुशलगढ़ तालुक में सेवकाई प्रारम्भ होने के लिये। इस क्षेत्र में कार्यरत आराधना समूहों में सुसमाचार पहुँचने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – लखनऊ प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: इस प्रांत में बाइबल अध्ययन समूह प्रारम्भ किया गया। कई लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। विशाल के परिवार ने प्रभु यीशु की सेवा के लिये स्वयं को समर्पित किया। रोहन को प्रार्थना के माध्यम के माध्यम से टी.बी के रोग से चंगाई मिली।

प्रार्थना करें: कास्ता और गणेशपुर क्षेत्र में परमेश्वर के वचन के लिये द्वार खुलने के लिये। 2 स्थानों में आराधना भवन के समर्पण के लिये प्रारंभिक कार्यों के लिये। जमुनिया क्षेत्र में निरंतर चलने वाली सभाओं के माध्यम से लोगों का उद्धार होने के लिये। ओएल क्षेत्र के आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – भोजपुरी प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: 138 गाँवों में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लागों ने सुसमाचार को जाना। इस क्षेत्र में कई भोजपुरी परिवार आराधना समूह में शामिल हुये। युवा जितेन्द्र कुमार ने अपने नए

जन्म के अनुभव को प्राप्त किया और साथ ही वह इसे दूसरों के साथ भी बाँट रहे हैं। कोलकुम और मुसाही जनसमूह के लोग सुसमाचार सुनने में रूचि ले रहे हैं।

प्रार्थना करें: बहन अंजली देवी को टी.बी के रोग से पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। पाली और खजूरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों का उद्धार होने के लिये। कार्यक्षत्रों में नए सिलाई कक्षाएं प्रारम्भ हाने के लिये। नेवादा क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिये। 16 क्षेत्रों में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि खरीदने के प्रयासों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

बिहार

परमेश्वर की स्तुति हो: 18 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। इस क्षेत्र में बच्चों के लिये आयोजित कक्षाओं माध्यम से कई बच्चों को पवित्रशास्त्र से कहानियाँ सिखाई गई। बक्सल जिले में क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से कई गाँवों को सेवकाई के लिये चिन्हित किया गया। 5 क्षेत्रों में आयोजित युवाओं के कैंप के माध्यम से सेवकाई फलवंत हो रही है।

प्रार्थना करें: भोजपुरी विश्वासियों के मेले की तैयारियों के लिये प्रार्थना करें। 7 क्षेत्रों में आराधना भवन की परिसर की चारदीवारी के निर्माण के लिये। इस क्षेत्र के विश्वासियों की आत्मिक उन्नति के लिये। 10 क्षेत्रों में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि की आवश्यकता के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

झारखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: हारूप क्षेत्र में रात्रि सभा आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से कई लोग आशीषित हुये। 22 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। उरांव विश्वासियों के मेले के माध्यम से भरनो क्षेत्र में सेवकाई के लिये द्वार खुला। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने प्रभु के प्रेम को जाना।

प्रार्थना करें: भाई श्याम भुईयां द्वारा प्रारम्भ किए गए उनके व्यवसाय को प्रभु आशीषित करने के लिये। तुरियाम्बा और कैनाबिथा क्षेत्र में सेवकाई फलवंत होने के लिये। बहन करिश्मा जो पिछले 8 वर्षों से मानसिक रूप से बीमार हैं प्रभु उन्हें पूर्ण चंगाई देने के लिये। कार्यकर्ता इम्मानूएल कुजूर जो

प्रभु की महिमा में प्रवेश कर गए हैं, उनकी पत्नी और दो बच्चों की सांत्वना के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – रायपुर प्रांत

परमेश्वर की स्तुति होः धमतरी क्षेत्र के कई गाँवों को सेवकाई के लिये चिन्हित किया गया। सोनपुरी और टाटा बिलासपुर क्षेत्र में बाइबल अध्ययन समूह प्रारम्भ किया गया। 75 क्षेत्रों में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों के साथ परमेश्वर का वचन बाँटा गया। 6 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करेंः रायपुर वेबकेन्द्र के लिये कंप्यूटर और दोपहिया वाहन की आवश्यकता के लिये। अभनपुर और मंदिर हसौद क्षेत्र में आयोजित सिलाई कक्षाओं और सामुदायिक विकास के माध्यम से लोगों की सहायता के लिये किए गए प्रयासों के लिये। गुल्लू क्षेत्र के विश्वासी सुसमाचार कार्य में शामिल होने के लिये। दुर्ग क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि प्राप्त होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – चाँपा प्रांत

परमेश्वर की स्तुति होः जयधन टोपो जिन्होंने सुसमाचार सुनने के बाद नशे का सेवन बंद कर दिया। 9 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। निरेश बाई नभगु जो पिछले 5 वर्षों से दुष्टात्मा के चुंगल में थे, प्रभु ने उन्हें छुटकारा दिया। संदिप एक्का जो शराब के आदी थे, सुसमाचार ने उन्हें स्पर्श किया और उन्होंने शराब छोड़ दिया।

प्रार्थना करेंः अजय तिर्की जो पिछले एक साल से मानसिक रूप से बीमार हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। लैगु और कोटरीपानी क्षेत्र में प्रभु की आराधना प्रारम्भ होने के लिये। सोमारू टोपो जो पिछले 3 वर्षों से अस्थमा और किडनी संबंधी समस्याओं से ग्रसित हैं, प्रभु उन्हें पूर्ण रूप से चंगाई देने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

मध्य प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति होः राधा के परिवार को 8 वर्षों के बाद प्रार्थना के माध्यम से बच्चे की आशीष मिली। रमेश को सुसमाचार के माध्यम से नशे से छुटकारा मिला। विश्वासी संदीप कुमार ने सुसमाचार के लिये अपने घर

का द्वार खोला। 3 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: छावनी क्षेत्र में आराधना समूह प्रारम्भ करने के लिये किए गए प्रयासों के लिये। पारसिंह का परिवार जिन्होंने परमेश्वर का वचन सुना, उनका हृदय मसीह में नया होने के लिये। विश्वासी कन्हैया और सुनील की गवाही के माध्यम से बहुत से लोगों का उद्धार होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

प्रभु राज करता है

परमेश्वर ने हम पर अनुग्रह किया और आंन्ध्र प्रदेश के पुल्लमानुगुडा पर्वतीय क्षेत्र में रहने वाले सौरा जनजाति के लोगों के लिए एक आराधना भवन का निर्माण किया गया। आराधना भवन का समर्पण 22.06.2024 को हुआ। विश्ववाणी के कार्यकारी निदेशक रेव्ह.डॉ.विल्सन अपने परिवार के साथ समर्पण सेवा में शामिल हुए। समर्पण सेवा परमेश्वर की महिमा के लिए अच्छी तरह से सम्पन्न हो पायी। हम सौरा जनसमूह के लोगों के स्वागत, प्रेम और आतिथि सत्कार के पारंपरिक तरीके को नहीं भूल सकते। रास्ते में, हमने कई विश्ववाणी आराधना भवन और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित चिकित्सीय सेवकाई को भी देखा। इस सेवकाई के माध्यम से अनेकों बीमार लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उस शाम अब्राहम नगर में एक खुले मैदान में प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। हमने सौरा विश्वासीयों के साथ मिलकर प्रभु की महिमा की। कोविलपट्टी के नहेम्याह बिल्डिंग ट्रस्ट ने पोडिसा गाँव में एक आराधना भवन का निर्माण किया, जिसे 30.06.2024 को समर्पित किया गया। हम समर्पण सेवा में परमेश्वर की उपस्थिति का अनुभवन करने में सक्षम रहे। अच्चापुलवासा प्रशिक्षण केन्द्र में हमारे वहाँ रहने के दौरान क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने हमारी अच्छी देखभाल की। बच्चों को उन्हीं घर में बच्चों को शिक्षित करना और उन्हें आध्यात्मिक रूप से प्रभु के मार्ग पर ले जाना जैसे सामाजिक विकास कार्यक्रम भी सराहनीय है। परमेश्वर के कार्य में बड़ी रूचि के साथ शामिल क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को देखना वास्तव में हृदय को आन्नदित करता है। प्रार्थना और आर्थिक सहयोग के माध्यम से प्रभु के कार्य को बनाए रखना हमारा प्रमुख कर्तव्य है। हम कार्यकारी निदेशक और अन्य क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हैं जो बड़ी जिम्मेदारियों के बीच भी हमारे साथ यात्राएं करते हैं! हम परमेश्वर को सारी महिमा और सम्मान देते हैं! *– श्रीमती जे.जेया पॉल!*

ऑनलाइन दान करें

Bank : State Bank of India
A/C No. : **1015 1750 252**
Branch : Amanjikarai, Chennai - India.
A/C Name: VISHWA VANI
IFS Code : **SBIN0003273**
UPI ID
vvadmin@sbi
UPI Name:
VISHWAVANI
PLEASE UPDATE US WITH TRANSATION INFORMATION
✆ 9443127741, 9940332294

गेहूँ का दाना

जो कुरूख क्षेत्र की भूमि पर गिरा

Bro. Emmanuel Kujur with his Family

कुछ लोग महान ज्योति को प्राप्त करने के बाद पहाड़ों पर चमकते नगरों की तरह होते हैं। वे द्रीवता रथों और घोड़ों की तरह से पूरा करने के बोझ के साथ सेवकाई में होते हैं। जब ये ऐसे सक्रिय लोग अनंत विश्राम में प्रवेश करने के लिए हमसे दूर चले जाते हैं तो हमारा हृदय शोक से भारी हो जाता है। हमें केवल यीशु मसीह के शब्दों से सांत्वना मिलती है, जिन्होंने हमें यह कहकर शांति दी, "तुम्हारा हृदय व्याकुल न हो"। रेव्ह. इम्मानुएल कुजूर को वर्ष 1990 में झारखण्ड के उन गाँवों से प्रभु ने चुना था, जहाँ कुरूख जन–जाति के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। वे 20 वर्ष की आयु तक सरना धर्मावलंबी विश्वास में जीवन व्यतीत करते थे। इस युवा ने लोहरदगा के चट्टी पेरिश के अगुवों और सेवकों द्वारा सुसमाचार प्राप्त करने के माध्यम से अपना ध्यान कलवरी की ओर केन्द्रित किया। भाई इम्मानुएल कुजूर को दमिश्क के रास्ते में पौलुस जैसा ही अनुभव हुआ। जैसे ही उनकी आत्मिक आँखें खुली, परमेश्वर की योजना के तहत रेव्ह. सिलवानुस तिर्की के द्वारा उन्होंने विश्ववाणी सेवकाई में अपना पहला कदम रखा और वे सुसमाचार के साथ विभिन्न गाँवों में घूमने और मसीह के प्रेम को बाँटने लगे। इससे कुरूख जन समूह के लोगों में आत्मिक जागृति आने लगी। सुसमाचार के माध्यम से उन्होंने जिन क्षेत्रों में प्रवेश किया, वे आज भी लोहरदगा जिले में अत्यंत फल–फूल रहे हैं।

वर्ष 1991 में एक एज्रा के रूप में, उन्होंने अपनी सेवकाई प्रारम्भ की और चान्हो सेवकाई क्षेत्र में पहले सुसमाचार कार्यकर्ता बने। वे ही झारखण्ड में बन्धेया गाँव में पहला विश्ववाणी आराधना भवन बनाने का कारण भी रहे।

उन्हें 33 वर्षों तक आत्माओं को परमेश्वर के खत्ते में इकट्ठा करने के लिए क्षेत्रीय कार्यकर्ता, वेब–मॉनीटर और बाद में क्षेत्रीय समन्वयक के रूप में प्रभु द्वारा अद्भूत एवं सामर्थी रूप से इस्तेमाल किया गया। अंत में, उन्होंने पूरे झारखण्ड राज्य में राज्य समन्वयक अधिकारी के रूप में सेवकाई को पूरा किया।

जुलाई 2022 से उनकी दोनों किडनी प्रभावित थीं, और उन्हें सप्ताह में दो बार डायलिसिस करवाना पड़ता था। अपने खराब स्वास्थ्य के बीच भी उन्होंने सुसमाचार क्षेत्रों का भ्रमण किया और युवा क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया और बिना रूके और चूके कार्यालय का काम भी किया।

जब वे 53 वर्ष के हुए, तो वे अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आत्माओं की कटनी हेतु अधिक समय देने में शारीरिक रूप से असमर्थ हो गए। लेकिन उन्होंने आत्माओं की कटनी हेतु अपने आँसू बहाये और प्रभु के लिए अपना अधिकतम करने में सक्षम हुए। 22 जून की शाम 7 बजे डायलिसिस के दौरान वे हमेशा के लिए प्रभु के पास चले गए।

झारखण्ड में यीशु मसीह के महिमामय सुसमाचार के माध्यम से गाँवों के क्षेत्रों परिवर्तन में रेव्ह. इम्मानुएल कुजूर की भूमिका उल्लेखनीय एवं अविस्मणरीय है। उन्होंने कई लोगों को धार्मिकता की ओर अग्रसर किया है। हमारे धर्मी न्यायाधीश यीशु निश्चित रूप से उन्हें धार्मिकता के मुकुट से सम्मानित करेंगे जब वे वापस अपनी महिमा में आएंगे। कृप्या उनकी पत्नी श्रीमती अमरमणि कुजूर की शांति के लिए प्रार्थना करें जो यीशु मसीह में अपने विश्वास की यात्रा जारी रखती हैं और उनकी दो बेटियों अमरलता कुजूर, उम्र 21 वर्ष और प्रसन्नता कुजूर 18 वर्ष के उज्जवल भविष्य के लिए प्रार्थना करें जो इस आशा और विश्वास के साथ हैं कि उनके पिता स्वर्गीय पिता के साथ है।

– राज्य समन्यवक, झारखण्ड

विश्ववाणी 17

कार्यक्षेत्रों के गवाह

आराधना भवन

LAXMINAGAR, A.P. - 12.06.24

BADLA KAMI, TRIPURA - 18.06.24

RADHANAGAR KAMI, TRIPURA - 19.06.24

PANDRASINGI, A.P. - 19.06.24

DWARKAI KAMI, TRIPURA - 20.06.24

GURUCHARAN KAMI, TRIPURA - 21.06.24

PULLAMANUGUDA, A.P. 22.06.24

PODDISA, A.P. - 23.06.24

PEDHARAVYAM, A.P. - 28.06.24

RNI REGD. NO. RN. 45019/89 | POSTAL REGD. NO. HQ/SD/180/2024-2026 - HINDI | DATE OF PUBLICATION 22.07.2024
LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT - PMG/TS/HQR/SC-02/WPP/2024-2026

Return Requested: VISHWAVANI SAMARPAN
1-10-28/247, Anandapuram,
ECIL Post, Hyderabad-500062.

उत्तर प्रदेश से आंन्ध्र प्रदेश तक के प्रथम पीढ़ी के विश्वासी
17 नये आराधना भवनों में आराधना कर रहे हैं, जो उठते, चमकते और यीशु को प्रतिबिम्बित कर रहे हैं। हाल्लेल्लूय्याह!

KATAGATALA, ODISHA - 29.06.24

SRICHANDANPUR, ODISHA - 06.07.24

BODDAGONDI, A.P. - 30.06.24

GANUA, WEST BENGAL - 07.07.24

SIDAGAM VALASA, A.P. - 30.06.24

SINGADA, ODISHA - 07.07.24

SINGABAHALI, ODISHA - 06.07.24

CHAURATHIA, UTTAR PRADESH - 08.07.24

VISHWA VANI SAMARPAN – HINDI LANGUAGE
Printed and Published by P. Selvaraj on behalf of VISHWA VANI, a registered society (Regn. No.17871 of 1987) and printed at CAXTON Offset Pvt. Ltd., 11-5-416/3, Red Hills, HYD-04. and published at 1-10-28/247, Anandapuram, ECIL Post, HYD-62. **POSTING DATE: 25.07.2024**. EDITOR: P. SELVARAJ